डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 08 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | बुधवार 16 अक्टूबर 2024 | मूल्य 2 रुपया

आशंका : रुई में थूक कर बेचने की...

भगवान के दीपक हेतु रुई बेचने वाले से ग्रामीणों ने कुरान की कसम खिलवाई

मंदसौर, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। जिले के सुवासरा थाना क्षेत्र के गांव नाथू खेडी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें एक व्यक्ति गांव में रूई बेचने आया हैं और गांव के कुछ व्यक्तियों ने उसे रोकते हुए आशंका जताई कि तुम थूक कर रूई बेच रहे हो। गांव के लोग रूई बेचने वाले से कुरान की कसम खाने बोल रहे हैं। वायरल वीडियो 12 अक्टूबर का बताया जा रहा है।

दरअसल इन दिनों चल रहें थूक जिहाद की खबरों के बीच ग्रामीणों को शंका हुई कि रूई बेचने आया व्यक्ति रूई को थूक कर बेच रहा हैं। शंका के आधार पर बाइक से रूई बेचने वाले को रोक लिया। उससे कुरान की कसम खाने की... **शेष पेज 4 पर**

डेंगू: याद आ रही एसडीपी मशीन..!

मांग की अनदेखी अब पड़ रही भारी, मंदसौर में बढ़ी ब्लड की डिमांड

मंदसौर, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। सरकारी आंकड़ों में डेंगू शतक लगा चुका है। सरकारी अस्पतालों के अलावा निजी अस्पतालों में धड़ल्ले से डेंगू के मरीज पहुंच रहे हैं। यही कारण है कि ब्लड की मांग तेजी से बढ़ी है। एक बार फिर एसडीपी (सिंगल ब्लड डोनर प्लेटलेटस) मशीन की आवश्यकता को महसूस किया जा रहा है। पूर्व में सामाजिक संस्थाओं ने तत्कालीन प्रभारी मंत्री और अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर बड़े अस्पताल में मशीन उपलब्ध कराने की मांग की थी। मांगों की अनदेखी अब भारी पड़ रही है। सरकारी अस्पताल के अलावा किसी भी निजी अस्पताल में मशीन नहीं है। जिसका खामियाजा लोगों को भुगतना पड़ रहा है।

जिले में वायरल के साथ डेंगू का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है। यहां लोगों में बुखार आते ही प्लेटलेटस कम होने का भय बना हुआ है। जिससे एक मरीज को करीब आठ यूनिट ब्लड की भी जरुरत पड़ रही है। निजी अस्पतालों से भी ब्लड की भारी डिमांड बड़े अस्पताल के ब्लड बैंक में पहुंच रही है। लोगों को सिंगल डोनर प्लेटलेटस मशीन सुविधा नहीं होने का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। चिकित्सा विशेषज्ञों का मानना है कि जिले में हर साल डेंगू, चिकनगुनिया, स्क्रब टाइफस के रोगी सर्वाधिक चिन्हित होते हैं। इसके बावजूद सुविधा उपलब्ध नहीं है। जबकि, सामाजिक संस्थाएं इस मशीन की मांग कई बार कर चुकी है। करीब 25-30 लाख कीमत की यह मशीन बड़े अस्पताल के साथ ही मंदसौर के किसी भी निजी अस्पताल के पास भी उपलब्ध नहीं है। जिससे परेशानी और ज्यादा बढ़ रही है।

यह काम आती है एसडीपी मशीन...

यह मशीन सीधे मानव शरीर से प्लेटलेटस ही लेती है और आरबीसी प्लाज्मा को वापस शरीर में चढ़ा देती है। इसमें मरीज को एक यूनिट ब्लड से 40 से 50 हजार प्लेटलेटस एक साथ मिल जाती हैं। सीधे सरल भाषा में डेंगू में प्लेटलेटस की जरुरत मरीजों को लग रही है। एसडीपी मशीन डोनर के ब्लड से सिर्फ प्लेटलेटस ही लेगी। इस प्रक्रिया में करीब एक घंटे का समय लगता है।

अभी यह होती है प्रक्रिया...

अभी रक्तदाता से एक यूनिट रक्त लेने के बाद पैकसेल से आरबीसी को अलग किया जाता है। दूसरे चरण में प्लाज्मा और प्लेटलेटस को अलग-अलग किया जाता है। इस सुविधा के लिए कंपोनेंट सेपरेटर मशीन के साथ प्लाज्मा स्टोर के लिए माइनस 40 और माइनस 70 डिग्री वाले फ्रिज की जरूरत है। वहीं प्लेटलेट एजीटेटर के लिए मूविंग करने वाला 22 से 24 सेंटीग्रेड वाले फ्रिज तथा प्लाज्मा एक्पेसर की जरूरत है।

डेंगू में प्लेटलेटस की कमी, यह होता परिणाम...

डेंगू में शरीर में मौजूद ब्लड से प्लेटलेटस की मात्रा कम हो जाती है। शरीरमें प्लेटलेटस की संख्या कम होने को थ्रोम्बोसाइटोपेनिया कहते हैं। यदि संख्या 20 हजार से कम हो जाए तो शरीर में रक्तस्राव की आशंका बढ़ जाती है।

एनसीबी ने जारी किया लुकआउट नोटिस

देश छोड़कर भाग नहीं पाएंगे शोएब और रब नवाज

मंदसौर, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। भोपाल ड्रग्स फैक्टरी कांड में हरीश आंजना सहित तीनों आरोपियों की रिमांड खत्म हो गई है। उन्हें जैल भेज दिया गया है। पूछताछ में जांच एजेंसियों के सामने कई राज आरोपियों ने उगले। लेकिन, अब जांच की सुई शोएब लाला और रब नवाज पर आकर टिक गई है। इसका कारण है कि शोएब लाला इस पूरे कांड का मुख्य कर्ताधर्ता के रूप में सामने आया है। फैक्टरी लगाने का आइडिया भी शोएब लाला का ही था। जांच एजेंसियों को पता चला है कि शोएब लाला और रब नवाज देश भी छोड़ सकते है। यहीं कारण है कि एनसीबी ने शोएब के खिलाफ लुकआउट नोटिस भी जारी किया है, ताकि वह देश छोड़कर न भाग सके। जांच पड़ताल में पता चला है कि छह महीने पहले शोएब फैक्टरी देखने के लिए भोपाल भी आया था। वह इस मामले में पकड़ेगए तीनों आरोपियों से अलग-अलग फोन नंबरों से बात करता था। महत्वपूर्ण बात यह है कि जांच में सामने आया है कि मंदसौर में दो सौ किलो एमडी पहुंची। लेकिन, मंदसौर पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगी..!

प्रेमसुख के ठीक होने का इंतजार...

इधर एटीएस-एनसीबी के विशेष लोक अभियोजक सुनील श्रीवास्तव ने बताया कि हरीश आंजना सहित तीनों आरोपी 26 अक्टूबर तक ज्यूडिशियल रिमांड पर रहेंगे। जैल में तीनों को विशेष निगरानी में रखा जाएगा। आरोपी अमित की पैरवी कर रहे वकील ने कोर्ट को बताया कि उसके पैर में रॉड डली है। लिहाजा उसे वेस्टर्न टॉयलेट की सुविधा मिले। मानवीय आधार पर कोर्ट ने जैल प्रबंधन को ऐसा करने का आदेश दिया। इस मामले में एनसीबी अब तक 15 से ज्यादा संदेहियों से पूछताछ कर चुकी है। इनमें भोपाल और मंदसौर के संदेही शामिल है। अब इसमें आरोपी प्रेमसुख पाटीदार से पूछताछ होना है। पैर में गोली मारने के बाद सरेंडर करने वाले प्रेमसुख के ठीक होने का इंतजार है। उसे कड़ी सुरक्षा के बीच रखा गया है। शोएब लाला और रब नवाज के पकड़े जाने के बाद आगे के नेटवर्क का खुलासा होगा। यहीं आकर फिलहाल आगे की जांच की सुई अटक रही है।

बता दें कि एनसीबी और एटीएस को पता चला है कि मंदसौर का ड्रग तस्कर हरीश आंजना पहले से ही शोएब के लिए काम करता रहा है। इस बार शोएब ने उसे फैक्ट्री में ड्रग्स बनाने के लिए केमिकल सप्लाई का जिम्मा सौंपा था। आंजना ने एनसीबी को बताया कि फैक्ट्री में बने ड्रग्स को सप्लाई करने का जिम्मा भी उसी के पास था। फैक्ट्री में ड्रग्स बनने के बाद यहां से माल सीधे मंदसौर जाता था। इसके लिए उसने अपनी लग्जरी गाड़ियों का इस्तेमाल किया था, ताकि किसी को शक न हो। वह अब तक 200 किलो से ज्यादा का एमडी ड्रग्स मंदसौर ले गया था। इस ड्रग्स को उसने पेटी सप्लायर को दे दिया था। इसके बाद मंदसौर में प्रेमसुख और दूसरे लोग अपने डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क के तहत इसे प्रदेश और देश के दूसरे हिस्सों में सप्लाई करते थे। आंजना इन लोगो से 8 से 10 लाख रुपए... **शेष पेज 4 पर**

हवालाखोरों पर नहीं कोई कार्रवाई..!

इधर ड्रग्स सप्लाय और केमिकल खरीदी को लेकर और केमिकल ट्रांसपोर्ट के माध्यम से भोपाल पहुंचाने के मामले में एजेंसिया और पुलिस पुरी तरह जुटी हुई है। लेकिन, मंदसौर और प्रतापगढ़ में नगद रूपए की व्यवस्था करने वाले हवालाबाजो को अभी तक खुली छूट मिली हुई है। यही कारण है कि प्रदीप, अशफाक और उसका साथी मिश्रा, रमेश सिंधी सहित तस्करो के रूपयो की अफरा तफरी करने वाले सभी हवालाबाज खुले घुम रहे है। जबकि, प्रदीप तो घोषित रूप से तस्करो के लिए एक पेटी 01 हजार रूपए कमीशन पर मंगाने का काम करता रहा है। इस प्रदीप को एजेंसियो और पुलिस को तलाश कर कठोर कार्रवाई करना चाहिए। जिससे कि भविष्य में तस्करो के लिए कोई भी हवालाखोर रूपयो की अफरा तफरी करने की सोचने की पहले कई बार सोचे।

जितेन्द्र को भानपुरा पुलिस ने पकड़ा, 67 किलो डोडाचुरा मिला

जयंतीलाल को रब नवाज की थार में डोडाचुरा के साथ दबोचा

मंदसौर, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। कई दिनों से घर से लापता और परिजनों को पुलिस द्वारा उठाए जाने की आशंका थी। ऐसे दो लोगो को और पुलिस ने डोडाचुरा के साथ दबोचने का दावा किया हैं। आश्चर्य की बात यह हैं की दोनों के पास फरार बदमाश रब नवाज पठान की गाड़ी मिली हैं।

सूत्रों पर भरोसा करें तो प्रेमसुख पाटीदार के भांजे जितेन्द्र पाटीदार निवासी हथुनिया को भानपुरा पुलिस ने फारचूनर गाड़ी में डोडाचुरा तस्करी करते पकड़ा। वहीं हथुनीया निवासी जयंतीलाल पाटीदार को थार गाड़ी में डोडाचुरा के साथ मल्हारगढ़ पुलिस ने पकड़ा हैं। सूत्रों के अनुसार पकड़ाए आरोपियों के कब्जे से बरामद गाड़िया रब नवाज पठान की हैं। इधर पुलिस, एटीएस और एनसीबी रब नवाज और शोएब लाला को सरगरमी से तलाश रही हैं। यह दोनों देश छोड़कर ना भाग जाये, इस लिए लुक आउट नोटिस भी जारी कराया गया हैं। हालांकि भानपुरा पुलिस के अनुसार जितेन्द्र डोडाचुरा लेकर कहीं जाने वाले था वह अकेला व पैदल था।

दो दिन के रिमांड पर जयंती...

पुलिस सूत्रों के अनुसार जयंतीलाल पाटीदार को मल्हारगढ़ पुलिस ने 55 किलो डोडाचुरा के साथ पकड़ा था। उसे न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उसे दो दिन के लिए पुलिस रिमांड पर सौंपा गया हैं। अब पुलिस आरोपी के रब नवाज पठान के संपर्क के संबंध में पूछताछ कर रही हैं।

डंपर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

पिपलियामंडी, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। डंपर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मंगलवार दोपहर संजीत मार्ग पर नापाखेड़ा गांव में इडियन पंप के सामने डंपर ड्राइवर ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी और भाग निकला। ग्रामीणों ने बोरखेड़ी चारण में उक्त डंपर पकड़ लिया, लेकिन ड्राइवर फरार हो गया। दुर्घटना में गंभीर घायल हुए बोरखेड़ी चारण निवासी दीपक पिता शिवनारायण विश्वकर्मा को मंदसौर अस्पताल ले गए, जहां उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने डंपर जप्त कर मामला जांच में लिया।

शिक्षा के अधिकार कानून के चलते मदरसों को मिलने वाली छूट और अनुदान समाप्त होंगे..!

मंदसौर/उज्जैन, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने शिक्षा के अधिकार कानून 2009 के तहत शिक्षा दिए जाने को बच्चों का अधिकार और आवश्यक माना है। आयोग ने अपनी रिपोर्ट जारी करते हुए राज्य सरकारों के प्रमुख सचिवों को लिखा है कि सभी अपने राज्यों में चल रहे मदरसों को दी जाने वाली छूट और अनुदान राशि पर रोक लगाए। एनसीपीसीआर बाल अधिकार आयोग को लगता है कि मदरसों में सिर्फ दीनी तालीम और एक ही धर्म की शिक्षा दी जाती है। जिससे बच्चों के विकास के लिए वर्तमान दौर की गुणवत्ताधारक आधुनिक शिक्षा से दूर किया जा रहा है। जबकि, धार्मिक शिक्षा प्रदान करना उनके समुदायों की अपनी जिम्मेदारी है। संविधान में भी उसके लिए अलग से प्राविधान भी है।

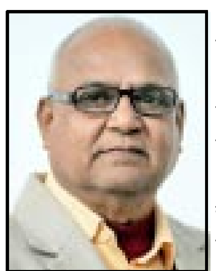

चन्द्रमोहन भगत

आरटीई अर्थात राइट टू एजुकेशन के तहत देशभर के सभी बच्चों को समान शिक्षा पाने का अधिकार है। इस शिक्षा के पाठ्यक्रम का दायित्व सरकारें बखूबी निभा रही है। देश के प्रत्येक बच्चे को आधुनिक शिक्षा के अधिकार से वंचित नहीं रखा जा सकता है। एनसीपीसीआर आयोग ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि मदरसों में दीनी तालीम और धार्मिक शिक्षा दी जाती है। जबकि, बच्चों को अन्य समुदायों के बच्चों की तरह आधुनिक शिक्षा मिलना चाहिए। आयोग का यह भी दावा है कि सवा करोड़ मुस्लिम बच्चों को औपचारिक शिक्षा नहीं मिल पा रही है। आयोग ने मदरसों को सरकार से मिलने वाले अनुदान पर रोक लगाने की स्पष्टमांग की है। आयोग का कहना है कि एसे संस्थानो को अनुदान नहीं दिया जा सकता है जो बच्चों को औपचारिक शिक्षा मिलने के अधिकार में बाधा बनते हो, ऐसा करना उनके अधिकारों का हनन और भविष्य से खिलवाड़ होगा। यह भी की राज्य सरकारें राइट टू एज्यूकेशन और संविधान में मिली जिम्मेदारी को बगैर तुष्टीकरण के निभाए।

किसी संस्था का यूडीआईएसई कोड लेने का यह मतलब नहीं होता है कि मदरसा संचालक आरटीई एक्ट प्राविधानों का पालन कर रहे हैं। ऐसी संस्थाओं को औपचारिक शिक्षा की आड़ में दी गई फंडिंग असंवैधानिक कहलाएगी। इसीलिए आयोग ने सिफारिश की है कि ऐसे शिक्षण संस्थानों की फंडिंग पर रोक लगाई जाकर मदरसा बोर्ड को बंद कर दिया जाए। यह भी राज्य सरकारें सुनिश्चित करें कि मदरसों में पढ़ने वाले सभी मुस्लिम बच्चे औपचारिक शिक्षण संस्थानों में दाखिला पाए और आरटीई एक्ट के पाठ्यक्रम के मुताबिक शिक्षित हो, शासकीय स्पर्धा में भाग लेकर अपना भविष्य बनाएं।

एक जानकारी अनुसार देशभर में 28 हजार से अधिक मदरसे है, इनमें 19 हजार 213 ...... **शेष पेज 4 पर**

विचार-मंथन

हार की समीक्षा, यानी बिल्ली के गले में घंटी बांधे कौन

वह अन्य पार्टियों में जा सकता है। उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव की पार्टी सपा में कई तरह के सुर उनके परिवार से ही निकलते हैं। इसलिए वहां थोड़ी बहुत समीक्षा की गुंजाइश बन जाती है। हारना-जीतना चलता रहता है पर पार्टी में सुधार कितना हुआ,यह जरूर देखा जाना चाहिए। अधिकांशतः एक या दो नेता पूरी पार्टी को चलाते हैं।

राजनीति में सबक लिए नहीं जाते। (... और क्षेत्रों में भी ऐसा ही होता है।) सबक दिए जाते हैं या सिखाए जाते हैं। यही वजह है कि पार्टियां और नेता कभी हार से सबक नहीं सीखते। आपने हजारों बार, हर हार के बाद यह जरूर सुना होगा कि हार की समीक्षा की जाएगी। इसके लिए, (वह भी कभी-कभार) पार्टी पर पकड़ रखने वाले कुछ लोग, वह पदाधिकारी हों या न हों, मिलकर बैठते हैं और हार के हजार बहाने जुटा लेते हैं। वर्ष 2004 के चुनाव में भाजपा का फीलगुड फैक्टर 'शाइनिंग इंडिया' फेल हुआ और लाल कृष्ण अडवानी की 'भारत उदय यात्रा' 33 दिन में 15 राज्यों की 128 लोकसभाओं और 8500 किलोमीटर का चक्कर काट कर भी कोई नतीजा नहीं दे पाई थी, तब भाजपा ने इस बात पर जोर दिया था कि वह अपनी हार की समीक्षा करेगी। समय से पूर्व हुए चुनावों के बाद समीक्षा हुई। अडवानी जी के नेतृत्व में मुरली मनोहर जोशी के साथ भाजपा के दिग्गज नेताओं ने हार के कारणों पर लंबा मंथन किया। उस मंथन से क्या निकला, यह किसी को पता नहीं। लेकिन 5 साल बाद जब 2009 में चुनाव हुए तो भी भाजपा सत्ता की लड़ाई कांग्रेस से दोबारा हार गई थी। तो क्या माना जाए, समीक्षा सही नहीं हुई या फिर उसके करेक्शंस पर काम नहीं किया गया। पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा ने जब उत्तर प्रदेश में बड़ी चोट खाई तो वहां भी हार की समीक्षा हुई। कई स्तरों पर समीक्षा हुई। किसी ने कहा कि पार्टी के कुछ बड़े नेताओं ने संविधान को लेकर ऐसा बयान दे दिया कि उससे अनुसूचित जाति और पिछड़े वर्ग के लोग छिटर गए और पार्टी को अनापेक्षित नुकसान हुआ। किसी ने कहा कि पार्टी में ही योगी आदित्यनाथ के विरोधियों ने भीतरघात कर दिया। महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार के शास्वत कारण गिनाए। पर हुआ क्या। सबसे आसान तरीका तो यह होता है कि पार्टी प्रमुख चाहे वह प्रदेश स्तर का हो या राष्ट्रीय स्तर का, बदल दिया जाए। लेकिन यहां तो यह भी नहीं हुआ। संविधान पर अटरम-पटरम कहानी कहने वाले 4 सांसदों को पार्टी निलंबित तक नहीं कर सकी। आगे की कार्रवाई की बात तो और है। भीतरघात का आरोप झेल रहे कई मंत्री आज भी पूरे जलवे से पद पर हैं। कांग्रेस की कहानी अलग नहीं है। कांग्रेस कोई पहली बार नहीं हार रही है। 2014 के बाद से कांग्रेस को 62 में से 47 चुनावों में हार का सामना करना पड़ा। उनकी हार की समीक्षा ई.वी.एम. पर आकर अटक जाती है। जीतते हैं तो ई.वी.एम. ठीक, नेतृत्व प्रभावशाली होता है और हारते हैं, तो बात समीक्षा पर टिक जाती है। 2014-2019 में सिर्फ 10 फीसदी के आसपास सीटें आईं तो मूल कारणों पर कोई बात नहीं हुई। लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में जब आंकड़ा 543 सीटों वाले सदन में 99 हो गया तो राहुल गांधी की मेहनत को पूरा श्रेय दिया गया। हरियाणा में हार की जो समीक्षा कांग्रेस कर रही है, इसे करने का बड़ा दायित्व भी हुड्डा ने अपने कंधों पर ले लिया है। कुमारी शैलजा और रणदीप सुर्जेवाला अगर उसमें अपनी समीक्षा जोड़ेंगे तो और बवाल होगा। पार्टी की और किरकिरी होगी। इसलिए लीपपोत कर यह फैसला करना ज्यादा सुरक्षित था कि शिकायत लेकर चुनाव आयोग के पास जाया जाए। मगर ऐसा करते समय कांग्रेस विद्वान शायर की उस नसीहत को भूल गई कि 'अपना गम लेकर कहीं और न जाया जाए' इससे और फजीहत होती है। चुनाव आयोग के पास उसका कोई समाधान नहीं है। वह भी चुटकी लेगा और जनता भी। कुल मिलाकर राहुल गांधी हरियाणा में हार से बेहद नाराज बताए गए हैं। उन्होंने फटकार भी लगाई कि प्रदेश स्तर के नेताओं ने अपने हितों को पार्टी से ऊपर रखा। हार की समीक्षा के लिए एक कमेटी बना डाली है। क्या राहुल की बनाई कमेटी यह समीक्षा कर पाएगी कि जहां राहुल ने रोड शो किए, वहां पार्टी का प्रदर्शन कमजोर कैसे रहा? राष्ट्रीय पार्टियों के साथ-साथ अगर क्षेत्रीय दलों की बात करें तो वहां हार की समीक्षा करने जैसी कोई परंपरा ही नहीं दिखती। ज्यादातर क्षेत्रीय पार्टियां एक परिवार या व्यक्ति के इर्द-गिर्द घूमती हैं। चुनाव की सारी नीतियां वही तय करते हैं। ऐसे में पार्टी हारती है तो बिल्ली के गले में घंटी भला कौन बांधे वाली बात होती है। जो ऐसी हिमाकत दिखाता है, उसे बाहर कर दिया जाता है। पंजाब में शिरोमणि अकाली दल ने भी हार के बाद समीक्षा करने की बात कही थी, मगर ऐसा कुछ होता नहीं दिखा। वहां सुखबीर बादल स्वयं पार्टी हैं, जो उनसे सहमत नहीं है।

राजनीतिक उपस्थिति दर्ज कर पाएंगे प्रशांत किशोर?

उमेश चतुर्वेदी

बिहार की राजनीति के संदर्भ में प्रशांत किशोर की राजनीतिक पारी की पड़ताल करने से पहले एक सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या वे बिहार की राजनीति में तीसरा स्तंभ भी बन पाएंगे? बिहार में यूं तो छोटे-बड़े कई राजनीतिक दल हैं, लेकिन मोटे तौर पर राज्य की राजनीति दो खेमों में बंटी हुई है। पटना का ऐतिहासिक गांधी मैदान तमाम रैलियों का गवाह रहा है, लेकिन इस मैदान में आधी सदी के अंतर पर हुई दो रैलियों में कम से कम बिहार की अवाम एक समानता देख रही है। पांच जून 1974 को 72 साल के बुजुर्ग जेपी ने संपूर्ण क्रांति का नारा देकर इंदिरा की सर्वशक्तिमान सत्ता को उखाड़ने की पूर्व पीठिका रच दी थी। इस बार इंदिरा की सत्ता उखाड़ने जैसा कोई लक्ष्य तो नहीं है, लेकिन गांधी जयंती के अगले दिन तीन अक्टूबर को 47 साल के प्रशांत किशोर से बड़ी उम्मीदें लगा रखी हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या प्रशांत किशोर अपनी पार्टी के जरिए जनसुराज की बयार बिहार की धरती पर बहा पाएंगे या फिर बदलाव की राजनीति का दावा करने वाले दूसरे लोगों की तरह वे भी पारंपरिक राजनीति का ही हिस्सा बन जाएंगे? वैसे बिहार में ऐसे लोगों की कमी नहीं है, जिन्हें ठीक उसी तरह प्रशांत किशोर से उम्मीद नहीं है, जैसी नाउम्मीदी पारंपरिक दलों से है। बिहार की राजनीति के संदर्भ में प्रशांत किशोर की राजनीतिक पारी की पड़ताल करने से पहले एक सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या वे बिहार की राजनीति में तीसरा स्तंभ भी बन पाएंगे? बिहार में यूं तो छोटे-बड़े कई राजनीतिक दल हैं, लेकिन मोटे तौर पर राज्य की राजनीति दो खेमों में बंटी हुई है। राष्ट्रीय जनता दल की अगुआई वाले गठबंधन में तमाम तरह की वैचारिकी वाले कई दल शामिल हैं, जिनमें देश की सबसे पुरानी कांग्रेस पार्टी तो है ही, वामपंथी दल भी है। वहीं दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी की अगुआई में नीतीश कुमार का जनता दल यू, जीतनराम मांझी की हम, उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा और चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी शामिल है। इस दो खेमे की राजनीति के बीच में यह सवाल उठना वाजिब है कि क्या प्रशांत किशोर इन दोनों गठबंधनों के बीच अपनी तीसरी राह बना पाएंगे ? बिहार की राजनीति का जब भी संदर्भ आता है, गर्व भाव से उसे याद किया जाता है। प्रथम स्वाधीनता संग्राम में बिहार के बेटे ने कुंवर सिंह ने जहां देश को नई दिशा दिखाई, स्वाधीनता संग्राम में जयप्रकाश नारायण ने भी नौजवानों को उसी अंदाज में जगा दिया था। इन्हीं जयप्रकाश को दूसरी आजादी का नायक का भी सम्मान हासिल है। बिहार की राजनीति का जब भी बखान होता है, तब इन ऐतिहासिक चरित्रों के हवाले से यह दावा जरूर किया जाता है कि बिहार की राजनीति भविष्य की राजनीति को प्रभावित करती है। इसे उलटबांसी ही कहा जा सकता है कि जिस बिहार की धरती का गौरवबोध वैशाली के गणतंत्र से भर उठता है, जिसे बुद्ध और महावीर की धरती का गौरव हासिल है, उसी बिहार की धरती

आज के दौर में जातिवादी राजनीति में ही अपना आज का गौरव ढूंढने में गर्व महसूस करती है। दिलचस्प यह है कि बिहार की राजनीति को लेकर गर्वबोध से भरा रहने वाला समाज भी अपनी धरातली सोच में जातिवादी बोध को अलग नहीं कर पाता। फिर भी बिहार में एक वर्ग ऐसा भी है, जो बिहार के मौजूदा पिछड़ेपन से चिंतित रहता है। जिसे इस यह बात सालती है कि उसके राज्य के हर गांव की जवान आबादी का बड़ा हिस्सा दुनियाभर में दिहाड़ी मजदूर बनने को मजबूर है। इसी वर्ग की उम्मीद बनकर प्रशांत किशोर उभरे हैं। प्रशांत किशोर से आस लगाए वर्ग को बिहार की दरिद्रता, बिहारी लोगों का राज्य के बाहर मिलने वाला अपमान सालता है। इसलिए वे चाहते हैं कि प्रशांत किशोर उभरें और राज्य की जाति-धर्म वाली राजनीति को बदलें। बिहार की बदहाली को दूर करें। किसी भी नया काम करने वाले को समाज पहले हंसी उड़ाता है, इसके बावजूद अगर वह रुका नहीं तो उसे कुछ उपलब्धियां हासिल होने लगती हैं। इससे समाज के स्थापित प्रभु वर्ग को परेशानी होने लगती है। तो वह उन उपलब्धियों की अनदेखी करने लगता है। फिर भी व्यक्ति रुकता नहीं तो उसकी उपलब्धियों को वही समाज नोटिस लेने लगता है और आखिर में उसे सर आंखों पर बैठा लेता है। प्रशांत किशोर इस प्रक्रिया के दो चरणों को पार कर चुके हैं। अब उनकी उपलब्धियों का बिहारी राजनीतिक दल नोटिस लेने लगे हैं। हालांकि उन्हें बार-बार पांडेय बताकर जातिवादी त्रिशूल से उन्हें बेधने की राजनीतिक कोशिश भी हो रही है। दिलचस्प यह है कि उनके ब्राह्मण होने का प्रचार बार-बार आरजेडी की तरफ से हो रहा है। जिसका पूरा राजनीतिक वजूद ही मुस्लिम और यादव समीकरण पर टिका है। प्रशांत किशोर ने दो साल तक लगातार बिहार की पदयात्रा की है। जनसुराज यात्रा के नाम से हुई इस यात्रा के जरिए उन्हें ज्यादातर उत्तरी बिहार को अपने कदमों तले नापा है। इसके जरिए उन्होंने अपना बड़ा समर्थक वर्ग तैयार किया है। जिसमें जाति और धर्म से इतर सोचने वाले युवाओं की अच्छी-खासी फौज है। तीन अक्टूबर को पटना के गांधी मैदान में इस वर्ग की उपस्थिति जहां प्रशांत किशोर से आस लगाने का आधार उपलब्ध कराती है तो बिहार के दूसरे पारंपरिक दलों के लिए चिंता का सबब भी बनती है। इसी चिंता से बिहार के पारंपरिक दल चिंतित हैं। राजनीतिक दल उस दल के उभार से ज्यादा चिंतित होते हैं, जिनसे उनके पारंपरिक आधार वोट बैंक के छीजने का खतरा ज्यादा होता है। लेकिन प्रशांत किशोर हर वर्ग के उन युवाओं के प्रेरणा केंद्र बनते दिख रहे हैं, जिनके लिए बिहार का बदलाव प्राथमिक लक्ष्य है। जिन्हें यह बदलाव जाति और धर्म की बजाय मेरिट पर होने की उम्मीद है। लेकिन क्या प्रशांत किशोर इस जाति-धर्म की राजनीति से सचमुच दूर हैं? बिहार की राजनीति पिछली सदी के नब्बे के दशक से कमंडल और मंडल खेमे के बीच झूलती रही है। जाति और धर्म की अनदेखी करने का दावा करने वाले प्रशांत किशोर इससे आगे दलितवाद की ओर आगे बढ़ते दिख रहे हैं। दिलचस्प यह है कि उनकी टीम में केजरीवाल की टीम जैसे पूर्व नौकरशाह और समाजसेवी की भीड़ दिखती है। जनता दल, राष्ट्रीय जनता दल के सांसद रहे देवेंद्र यादव, जनता दल यू के पूर्व राज्यसभा सांसद एवं पूर्व राजनयिक पवन वर्मा, पूर्व राजनयिक मनोज भारती प्रशांत किशोर के सहयोगी हैं। देवेंद्र यादव के सितारे इन दिनों गर्दिश में हैं तो पवन वर्मा को बाद के दिनों में नीतीश ने भाव नहीं दिया। जिस तरह केजरीवाल की राजनीति से उन लोगों ने ज्यादा उम्मीद लगाई और साथ दिया, जिन्हें पारंपरिक दल तवज्जो नहीं देते थे, कुछ वैसा ही हाल प्रशांत किशोर की नवेली पार्टी का भी दिख रहा है। ऐसे में शक की गुंजाइश बढ़ जाती है कि प्रशांत भी ताकत पाकर कहीं केजरीवाल की पार्टी के अवसरवादी और नाटकबाजी राजनीति की कॉपी ना बन जाएं। इतिहास भी इसकी गवाही देता है।

क्या हरियाणा में गैर जाट नेताओं को आगे बढ़ाएगी कांग्रेस

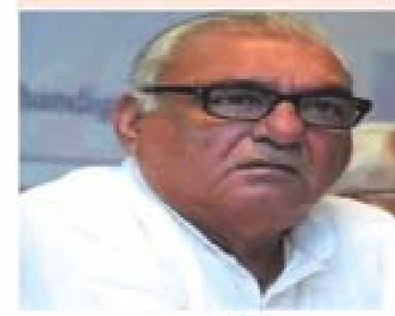

पवन उप्रेती

कांग्रेस को इस बात की पूरी उम्मीद थी कि वह हरियाणा में सरकार बना लेगी। लोकसभा चुनाव में पांच सीटें जीतना इसकी एक बड़ी वजह थी। लेकिन चुनाव नतीजों के बाद पार्टी के अंदर घमासान मचा हुआ है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी नतीजों को लेकर नाराज है और माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में हरियाणा में कांग्रेस संगठन में बड़े बदलाव हो सकते हैं। हरियाणा में अब कांग्रेस के भीतर नेता विपक्ष के पद को लेकर लड़ाई छिड़ सकती है। पिछली विधानसभा में नेता विपक्ष के पद पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा थे। हुड्डा इस बार भी अपनी परंपरागत सीट गढ़ी-सांपला किलोई से विधानसभा का चुनाव जीते हैं और निश्चित रूप से वह नेता विपक्ष जैसा महत्वपूर्ण पद अपने पास ही रखना चाहेंगे। लेकिन चुनाव नतीजों के बाद जिस तरह का सख्त रूख पार्टी नेतृत्व ने दिखाया है उसके बाद ऐसा होना मुश्किल दिखाई देता है। इसके अलावा पार्टी प्रदेश अध्यक्ष के पद पर भी बदलाव कर सकती है। हरियाणा की राजनीति को समझने वाले सभी लोग जानते हैं कि कांग्रेस ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में हुड्डा पर काफी भरोसा किया। लोकसभा चुनाव में भी हरियाणा में ज्यादातर टिकट हुड्डा की पसंद पर दिए गए और विधानसभा चुनाव में तो पार्टी ने हुड्डा को एक तरह से फ्री हैंड दिया। 90 सीटों वाली हरियाणा की विधानसभा में 72 से 75 टिकट हुड्डा के समर्थकों को ही दिए गए लेकिन अब जब चुनाव नतीजे पूरी तरह उलट आए हैं तो शायद पार्टी नेतृत्व हुड्डा से भी जवाब मांगेगा। कांग्रेस नेतृत्व की ओर से गुरुवार को जब हरियाणा के चुनाव नतीजों को लेकर बैठक बुलाई गई तो इसमें भूपेंद्र सिंह हुड्डा, हरियाणा कांग्रेस के अध्यक्ष चौधरी उदयभान शामिल नहीं हुए। प्रदेश प्रभारी दीपक बाबरिया ने खराब स्वास्थ्य का हवाला दिया और वह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ही बैठक से जुड़े। हुड्डा और उदयभान हरियाणा में अपने कार्यक्रमों में व्यस्त रहे।बीजेपी ने हरियाणा में अपने पिछले 10 साल के शासन में गैर जाट नेताओं क्रमशः- मनोहर लाल खट्टर और नायब सिंह सैनी को ही मुख्यमंत्री बनाया। इस बार भी वह नायब सिंह सैनी को ही मुख्यमंत्री बनाने जा रही है। विधानसभा चुनाव के नतीजों का विश्लेषण करने पर एक बात यह सामने आ रही है कि चुनाव में जाट बनाम गैर जाट का फैक्टर हावी रहा है। हरियाणा में जाट समुदाय की आबादी के मुकाबले गैर जाट समुदाय की आबादी बहुत ज्यादा है। यह माना जा रहा है कि गैर जाट समुदाय का बीजेपी के पक्ष में कुछ हद तक ध्रुवीकरण हुआ और इस वजह से चुनाव में जीत के दावे कर रही कांग्रेस बीजेपी से पिछड़ गई। लेकिन अब इस चुनावी हार से सबक लेते हुए पार्टी नेतृत्व हरियाणा में गैर जाट नेतृत्व को आगे कर सकता है। कांग्रेस को विधानसभा चुनाव में सिरसा से सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा की नाराजगी भी भारी पड़ी है। कुमारी सैलजा भी गैर जाट (दलित समुदाय) से आती हैं। सैलजा चुनाव में टिकट वितरण को लेकर नाराज थीं और काफी दिन तक उन्होंने चुनाव प्रचार भी नहीं किया था। सवाल यह है कि क्या भूपेंद्र सिंह हुड्डा नेता विपक्ष जैसी बड़ी कुर्सी पर किसी और को बैठने देंगे? क्या पार्टी का शेष नेतृत्व हुड्डा जैसे ताकतवर नेता को नाराज करने की हिम्मत जुटा सकेगा? भूपेंद्र सिंह हुड्डा 2005 से 2014 तक हरियाणा में चली कांग्रेस की सरकार में मुख्यमंत्री रहे थे और पिछले चुनाव में मिली 31 और इस चुनाव में मिली 37 सीटों में भी हुड्डा का बड़ा रोल रहा है। लेकिन अगर कांग्रेस को हरियाणा में संगठन को आगे बढ़ाना है तो उसे गैर जाट नेतृत्व को आगे बढ़ाने के साथ ही भूपेंद्र सिंह हुड्डा के साथ भी तालमेल बैठाना होगा। जाट लैंड में पड़ने वाले जिलों- सोनीपत, रोहतक, चरखी दादरी, भिवानी, जींद, झज्जर में भूपेंद्र सिंह हुड्डा का बड़ा असर है। ऐसे में क्या पार्टी हुड्डा को नाराज करने का खतरा उठाएगी?नेता विपक्ष के अलावा अभी तक प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी संभाल रहे चौधरी उदय भान की जगह भी किसी दूसरे नेता को मौका दिया जा सकता है।

ड्राइविंग सीट के डेंजर्स

न तो डी ए के 18 महिने के बकाया एरियर के भुगतान की घोषणा हुई, न सामान्य डी ए की और न ही कोई आवश्यक वस्तु सस्ती हुई फिर भी पता नहीं आज तोताराम क्यों 'मोदी-मोदी' शैली में बहुत खुश था। पूछने पर बोला- खुशी की बात तो है ही। कल अपने राजस्थान में डबल इंजन की सरकार की कृपा से तीसरा सैनिक स्कूल खुल गया। जयपुर में सीकर रोड़ पर भवानी निकेतन स्कूल में। हमने कहा- स्वतंत्रता प्राप्ति से बाद राष्ट्रीय सोच और चरित्र विकसित करने दृष्टि से सुरक्षा, साहित्य, कला, विज्ञान, शिक्षा, अर्थव्यवस्था,उद्योग आदि के क्षेत्र में अनेक आधारभूत संरचना और संस्थाएं स्थापित और विकसित की गई। लेकिन अब देश में कुछ वर्षों से इन सभी संस्थाओं और व्यवस्थाओं में निजी हितों को ध्यान में रखते बहुत से चरित्रगत परिवर्तन किए गए हैं। यह वैसा ही सैनिक स्कूल है। बोला- मतलब ? हमने कहा- मतलब यह कि यह वैसा ही संचार मंत्रालय है जिसमें संचार का कोई साधन मंत्री के कब्जे में नहीं है। वैसा ही नागरिक उड्डयन मंत्रालय है जहां सभी अड्डे और विमानन निजी हाथों में हैं। आजादी से पहले अंग्रेजों ने अपने हिसाब से कई मिलिटरी स्कूल खोल रखे थे। जैसे मौलाना आजाद ने आई आई टी की योजना बनाई थी वैसे ही वी के कृष्ण मेनन ने 1961 में सैनिक स्कूलों की योजना बनाई। अपने राजस्थान में केवल दो सैनिक स्कूल हैं पहला चित्तौड़गढ़ में 1961 में खुला और दूसरा 2012 में पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा देवी सिंह पाटिल के प्रयत्नों से झुंझुनू जिले में खुला क्योंकि पाटिल झुंझुनू जिले की बहू हैं। अब जयपुर में खुला स्कूल वैसा ही सैनिक स्कूल है जैसा सिंधिया वाला मंत्रालय। वैसा ही नकली जैसा कि योजना आयोग को नष्ट करके बनाया गया 'नीति आयोग'। न कोई नीति न कोई जिम्मेदारी। बोला- लेकिन अखबार में तो सैनिक स्कूल ही लिखा है। हमने कहा- लिखने से क्या होता है। तुझे पता होना चाहिए कि ये मात्र स्कूल नहीं थे। इनके माध्यम से सेना को एक संतुलित राष्ट्रीय चरित्र प्रदान करना था। पहले राजस्थान, हरियाणा, पंजाब और महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, बिहार के ग्रामीण इलाकों से ही अधिक लोग सेना में जाते थे। इसलिए इस क्षेत्रीय असंतुलन को दूर करने के लिए सभी राज्यों में लगभग निःशुल्क, अच्छी और आवासीय शिक्षा देकर पूर्व प्रशिक्षित अधिकारी उपलब्ध कराने के लिए सैनिक स्कूल खोले गए। सन 2021 तक इनकी संख्या केवल 33 थी। इन स्कूलों के माध्यम से सेना का सच्चा राष्ट्रीय चरित्र विकसित हो रहा था। लेकिन अचानक 100 स्कूलों की योजना आ गई। यह क्या कोई घासफूस है ? कोई कागजों पर शौचालय बनाने जैसा काम है ? बोला- यही तो डबल इंजन की सरकार का कमाल है। जो 70 साल में हैं नहीं हुआ उससे तिगुना 7 साल में। हमने कहा- वैसे ही जैसे 70 साल में विदेशी कर्ज 50 लाख करोड़ और दस साल में तिगुना 155 लाख करोड़। बोला- कर्ज विकास की निशानी होता है। जब भारत पर कोई कर्ज नहीं था तो वह पिछड़ा हुआ देश हुआ करता था और आज ! सुना नहीं, मोदी जी ने अमरीका में क्या कहा- आज भारत पीछे पीछे नहीं, आगे आगे चलता है। हमने वाक्य पूरा किया- और उगाही करने वाले पीछे-पीछे। बोला- मास्टर, तुझे परेशानी क्या है ? हर बात में खुचड़। तुझे 2021 में एक ही झटके में 100 सैनिक स्कूल खुलने में क्या बुराई नजर आ रही है ? हमने कहा- क्या तूने उद्घाटन में पधारे रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के एक वाक्य पर ध्यान दिया या नहीं ? उन्होंने कहा है- अर्थव्यवस्था की गाड़ी की ड्राइविंग सीट पर प्राइवेट सेक्टर बैठा है। इसका क्या मतलब है ? यही की अनुदान सरकार का और धंधा लाला का ? क्यों भाई, पुराने वाले सरकारी सैनिक स्कूलों में क्या बुराई है ? कमी पैसों की नहीं है। खोट नीयत में है। निजी क्षेत्र वाले कैसी व्यवस्था करेंगे और कैसी शिक्षा देंगे यह समझना कोई मुश्किल नहीं है।

आज का राशिफल

मेष : [illegible]

वृषभ : [illegible]

मिथुन : [illegible]

कर्क : [illegible]

सिंह : [illegible]

कन्या : [illegible]

तुला : [illegible]

वृश्चिक : [illegible]

धनु : [illegible]

मकर : [illegible]

कुंभ : [illegible]

मीन : [illegible]

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5388

	9	2					7	4
				2	3			5
4								
	6			3	4			7
2		8	7	1	5	4		9
1			6	9			3	
								8
8			5	6				
7	4					3	2	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5387

8	5	1	7	2	9	6	4	3
4	2	3	5	6	8	1	7	9
7	9	6	1	4	3	2	8	5
2	8	7	3	1	5	4	9	6
3	6	9	4	8	7	5	2	1
1	4	5	6	9	2	8	3	7
9	7	2	8	5	6	3	1	4
5	1	8	9	3	4	7	6	2
6	3	4	2	7	1	9	5	8

वर्ग पहेली 5388

संकेत: बाएं से दाएं

1. 11 जुलाई 2003 में यहां दोस्ती बस और दिल्ली से सदा-ए-सरहद का परिचालन हुआ, पाकिस्तान का यह शहर रावी नदी के किनारे बसा है (3)
4. यह हमारा राष्ट्रीय वृक्ष है (4)
7. कोई विलक्षण चीज देखने के लिए एकत्रित जमघट या जनसमूह (3)
8. हम शब्द का संक्षेप कारक रूप (3)
9. नाम का, नाम धारण करने वाला (3)
11. जूते सुधारने व बनाने वालों का एक औजार (2)
13. दयनीय दशा वाला, गरीब (2)
15. जिसका स्वामी हो, स्वामी सहित (3)
17. भारत की पहली राज्य प्रधान शिल्प, रनिवास, अंतपुर (3)
18. किसी कार्य का अपनी ओर से किया प्रारंभ (3)
19. अवसर की प्रतीक्षा, घात, आसरा (2)
20. अपवित्र, अशुद्ध (3)
22. स्वच्छ, रवन्ना (2)
24. लंबाई के बल ताने और चौड़ाई के बुने जाने वाले तागे (4)
27. माता सरस्वती का एक नाम, दुर्गा (3)
28. समूह, पुंज (2)

ऊपर से नीचे

1. युद्ध के लिए सेना की तैयारी (4)
2. पानी का कुंड जो प्रायः बाग-बगीचे में होता है (2)
3. रमण करना, अनुरक्त बनाना (3)
4. पथभ्रष्ट होना, भुलावे में आना (4)
5. पार्वती या लक्ष्मी के नामों में से एक (2)
6. सन-सन शब्द करते हुए कुछ करना (3)
10. रगड़ते हुए इधर-उधर मलना, उमेठना (3)
12. यह वृक्ष सबसे अधिक ऑक्सीजन देता है (3)
14. जिसमें नमक खाया हो, मुलाज़िम (5)
16. हाथ से धीरे-धीरे हांकना (4)
21. पुराणानुसार पृथ्वी के नीचे सात लोकों में से यह लोक माना है (3)
23. जो भाग्य में लिखा हो, नियत (2)
25. उपरांत, पीछे, अनंतर (2)
26. लोहे का अर्धचंद्राकार टुकड़ा (2)

वर्ग पहेली 5387 का हल

वे	ल	न	ज	मी	■	य	■
ला	न	■	मी	■	का	या	स
प	■	क	म	ला	प	ति	■
नी	म	न	■	ल	ट	■	मी
■	ला	क	मा	■	वे	द	न
या	हि	■	■	री	झ	न	■
रा	का	र	■	जा	■	प	र
क	र	ब	ड	■	ना	ति	न

जनता का संघर्ष व्यर्थ नहीं जाएगा, मंदसौर को संभाग बनाया जाएगा

मंदसौर, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। संभाग के लिए जितनी अनुकूलता है होनी चाहिए वे सभी मंदसौर जिला मुख्यालय पर विद्यमान है मंदसौर को संभाग बनाना न केवल मंदसौर के साथ न्याय है वरन भौगोलिक दृष्टि से भी जनता की सुविधा के लिए ऐसा करना बहुत आवश्यक है। मंदसौर नागरिक मंच द्वारा चलाए जा रहे संभाग बनाओ आंदोलन के अंतर्गत गांधी चौराहा पर प्रतिदिन चल रहे पोस्टकार्ड अभियान के 14 दिन शिक्षाविद और विद्वान वक्ता डॉ. रवींद्र कुमार सोहनी ने ये विचार व्यक्त किए। आपने कहा कि मंदसौर वासियों की इस मांग पर मध्य प्रदेश शासन को गंभीरता से विचार करना चाहिए और तत्काल मंदसौर को संभाग बनाने की घोषणा की जानी चाहिए। सिंधी समाज के प्रमुख समाजसेवी नंदू भाई आडवाणी ने पोस्टकार्ड अभियान में सम्मिलित होते हुए कहा कि यह बड़ी ही प्रसन्नता की बात है कि संभाग बनाने के लिए मंदसौर नागरिक मंच द्वारा किए जा रहे आंदोलन को नगर के प्रत्येक वर्ग का सहयोग मिल रहा है। नगर के अनेकों सामाजिक संगठनों संस्थाओं और समाजों द्वारा मुख्यमंत्री के नाम मंदसौर को संभाग बनाने के लिए चलाए जा रहे पोस्टकार्ड अभियान में लोग पोस्टकार्ड लिख रहे हैं। निश्चित ही मंदसौर की जनता का यह संघर्ष सफलता दिलाएगा। शिक्षाविद रमेशचंद्र चंद्रे ने कहा कि मंदसौर यदि संभाग मुख्यालय बनता है तो इसका लाभ नीमच मंदसौर जिलों के दूर दराज के ग्रामीण क्षेत्र को अधिक मिलेगा जिन्हें संभागीय कार्य के लिए अभी उज्जैन तक की दूरी का सफर करना पड़ता है। समाजसेवी बालूसिंह सिसोदिया ने कहा कि मंदसौर संभाग बनेगा तो अवरुद्ध विकास फिर गति पकड़ेगा। वरिष्ठ समाजसेवी राजाराम तंवर ने कहा कि यह मंदसौर के अस्मिता का संघर्ष है जब तक मांग पूरी नहीं होगी नगर वासियों का यह संघर्ष जारी रहेगा। मंदसौर नागरिक मंच कोर ग्रुप के वरिष्ठ सदस्य गुरु चरण बग्गा ने कहा कि जल्द ही मंदसौर को संभाग बनाने के इस आंदोलन को मंदसौर नीमच जिलों के तहसील मुख्यालय और कस्बाई क्षेत्रों में भी सक्रिय किया जाएगा। सामाजिक कार्यकर्ता नटवर भाई पारिख ने कहा कि मंदसौर वासियों को भले ही हर सौगात के लिए संघर्ष करना पड़ा हो लेकिन हमारा संघर्ष कभी व्यर्थ नहीं गया है यह संघर्ष भी अवश्य ही सफल होगा।

पोस्टकार्ड अभियान के 14 वें दिन नगर के संगठनों- दशपुर अकाउंटेंट एसोसिएशन, अभा राजेंद्र जैन महिला परिषद, जैन सोशल ग्रुप डायमंड संगिनी और जूनियर एनसीसी कंपनी के पदाधिकारी और सदस्यों ने भाग लिया। दशपुर अकाउंटेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष कैलाश सोनी ने कहा कि मंदसौर यदि संभाग बनता है तो प्रत्येक वर्ग को इसका लाभ मिलेगा हम सभी नगर वासियों को इस अभियान में भाग लेना चाहिए और मंदसौर को संभाग बनाने के संघर्ष में शामिल होना चाहिए। अभियान में दशपुर अकाउंटेंट एसोसिएशन के सर्वश्री ललित काबरा, भेरूलाल सिसोदिया, लक्ष्मीनारायण गोयल, चंद्रेश बाफना, नितिन गर्ग यशवंत सिंह जैन अभयकुमार नाहर और मोहन कुमावत भी शामिल थे। अ.भा. राजेंद्र जैन महिला परिषद और जैन सोशल ग्रुप डायमंड संगिनी की सदस्याएं ललिता कर्णावट, साक्षी संदीप जैन, सुनीता खबिया, आभा दुग्गड, सरे कुंवर डोसी, सपना सालेचा, पुष्पा चंडालिया सीमा चोरडिया, आदि भी अभियान में सम्मिलित हुई। पोस्टकार्ड लिखे और सभी से आह्वान किया। एनसीसी जूनियर कंपनी के 40 छात्र सैनिकों ने श्री विजयसिंह पुरावत के नेतृत्व में पोस्टकार्ड अभियान में भाग लिया। गांधी चौराहा पर चल रहे इस पोस्टकार्ड अभियान में प्रतिदिन अजीजुल्लाह खान खालिद, राधेश्याम मालवीय, बंसीलाल टांक, श्रीमती सीमा चोरडिया अपनी सेवाएं निरंतर दे रहे हैं। मंदसौर नागरिक मंच के समन्वयक नरेंद्र अग्रवाल और ब्रजेश जोशी ने बताया कि मंदसौर को संभाग बनाने के लिए चलाए जा रहे आंदोलन के तहत प्रतिदिन गांधी चौराहा पर चल रहे पोस्टकार्ड अभियान में प्रात: 10:00 बजे से 12:00 बजे तक सिख समाज, लायंस क्लब गोल्ड और अभिव्यक्ति ओपन माइक ग्रुप इन संस्थाओं के द्वारा सहभागिता की जाएगी।

दुकानों, संस्थानों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करें-चंद्रा

कलेक्टर ने सभी राजस्व अधिकारियों व एफएसओ को दिए निर्देश

नीमच, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। जिले में आगामी त्यौहारों को देखते हुए दुग्ध व दूध से बने खाद्य पदार्थो, मिठाईयों एवं खाद्य सामग्री की गुणवत्तो सुनिश्चित की जाए। अमानक एवं गुणवत्ता हीन खाद्य पदार्थो एवं सामग्री विक्रय एवं भण्डारण ना हो। सभी राजस्वि अधिकारी क्षेत्र में दुकानों, संस्थापनों की जांच के लिए दल गठित कर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करें। यह निर्देश कलेक्ट र श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जिला अधिकारियों की बैठक में सभी एसडीएम, राजस्व अधिकारियों और खाद्य सुरक्षा विभाग को दिए। बैठक में एडीएम श्रीमती लक्ष्मीी गामड़, सभी एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर श्री चंद्रा ने सभी एसडीएम को त्यौहारों को ध्यांन में रखते हुए अमानक खाद्य पदार्थो की जांच कर प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा, कि लोक स्वास्थ्य की सुरक्षा को ध्योन में रखकर जांच दल गठित कर, दुकानों, संस्थादनों का आकस्मिक निरीक्षण कर, सेम्पाल लेने की कार्यवाही की जाए।

कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाईन में दर्ज शिकायतों के निराकरण में गत एक सप्ता ह में सभी विभागों द्वारा की गई कार्यवाही की सराहना करते हुए कहा, कि और भी 100 दिवस या 50 दिवस से अधिक की शिकायतें निराकरण से लंबित है, तो उनको भी प्राथमिकता के साथ निराकृत करवाएं। राजस्व अधिकारियों द्वारा सीएम हेल्प लाईन में एक सप्ताह में किए गऐ कार्य की प्रशंसा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि तहसीलदार नीमच, ग्रामीण, मनासा, जावद एवं जीरन 50 दिवस से अधिक की शिकायतों को सर्वोच्च प्राथमिकता से निराकरण कर बंद करवाएं। कलेक्टर ने जिला अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे चालू माह में प्राप्त किसी भी शिकायत को फोर्स क्लोज नहीं करवाएं। फोर्स क्लोज 50 दिवस या उससे अधिक की लंबित शिकायतों को बंद करवाने के लिए ही प्रस्तावित करें। कलेक्टर ने जनसुनवाई में प्राप्त विभागवार लंबित आवेदनों के निराकरण की भी समीक्षा की और सभी को निर्देश दिए कि जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों के निराकरण की सूचना संबंधित आवेदक को भी लिखित में दी जाए। कलेक्टर ने सभी जिला अधिकारियों को आवंटित पांच-पांच ग्राम पंचायतों का अनिवार्य रूप से भ्रमण कर, प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए।

विद्यार्थियों को स्वच्छता के बारे में जानकारी दी

मंदसौर, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश जल निगमपरियोजना क्रियान्वयन इकाई मंदसौर के द्वारा गांधी सागर 1 समूह जल प्रदाय योजना में सम्मिलित विभिन्न ग्रामों में ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति सदस्यों एवं विद्यालयीन छात्र छात्राओं को बीमारियों और संक्रमणों के प्रसार को रोकने में साबुन से हाथ धुलाई के महत्व के बारे में जानकारी प्रदान की। साबुन से हाथ धोने के विभिन्न चरणों का प्रदर्शन कर सामूहिक हाथ धुलाई कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जमीन विवाद में पीटा, पिता-पुत्र पर मामला दर्ज

पिपलियामंडी, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। जमीन विवाद में मारपीट के मामले में पुलिस ने पिता-पुत्र पर केस दर्ज किया। रणायरा निवासी भेरुलाल दमामी ने नारायणगढ़ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि जमीन विवाद को लेकर रात्रि में दयाराम पिता मथुरालाल माली व चमन पिता दयाराम माली ने गाली-गलौज की व लात-घुसों से मारा, जिससे चोंटे आई। पुलिस ने दोनों आरोपियों पर केस दर्ज किया।

पुलिस और समाज में हो सार्थक संवाद...

पत्र संपादक के नाम

संपादक की सहमति आवश्यक नहीं

मंदसौर, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। किसी भी देश एवम कानून व्यवस्था की नीव वहा के देश की पुलिस होती हे। हमारे देश में जैसे हमारी सुरक्षा के लिए देश की सीमाओ पर सेना तैनात रहती और हमे बाहरी आक्रमण से बचाती उसी प्रकार पुलिस हमारे समाज में अपनी अहम भूमिका निभाती हे। देश की आंतरिक सुरक्षा और कानून व्यवस्था की देखरेख पुलिस करती हे। समाज में किसी भी प्रकार के अपराध को रोकना पुलिस का कर्तव्य हे। देश व समाज में लोग कानून का गंभीरता से पालन करते हे इसका श्रेय पुलिस को जाता हे। पुलिस और समाज एक दूसरे के पूरक हे। पुलिस समाज पर निर्भर हे तथा समाज को अपनी सुरक्षा और नियमो को लागू करने के लिए पुलिस की आवश्यकता हे। एक प्रजातांत्रिक समाज में पुलिस की भूमिका एक सामाजिक सेवा संस्था व प्रजातंत्र के संरक्षक की हे। भारतीय पुलिस तमाम विषम परिस्थितियों में कार्य करने के लिए विवश हे। अपने कर्तव्य का पालन करते हुवे देश की आंतरिक सुरक्षा में प्रतिवर्ष देशभर में लगभग एक हजार पुलिसकर्मी शहीद होते हे। सभ्य समाज का रक्षा कवच पुलिस ही होती हे। चूंकि वह कम वेतन, काम का बोझ, परिवार से दूरी एवम आधुनिक हथियारो की कमी से दो चार हे इसलिए उनकी भी अपनी समस्याएं हे। रोजमर्रा के जीवन में आम आदमी का वास्ता जिस पुलिस से पड़ता हे उसका नियंत्रण राज्य सरकार के हाथो में हे। आमतौर पर देखने में आता हे की पुलिस राज्य सरकार की कठपुतली की तरह काम करती हे। वह कई बार उन गतिविधियों में आंखे मूंद लेती हे जिन्हे सत्ताधारी दल गंभीर नही मानते या फिर जिन पर लगाम लगने से उन्हे अपना वोटबैंक खोने का डर सताता हे। पुलिस की कार्यप्रणाली में सुधार के लिए आवश्यक हे की वह राजनीतिक नियंत्रण से मुक्त हो जिससे आमजन का विश्वास भी पुलिस के प्रति बड़े। भारतीय पुलिस स्वयं को वर्तमान की आवश्यकताओं के अनुरूप नही ढाल सकी हे इसलिए वह जनता का विश्वास नही जीत पाई हे। कितनी भी विषम परिस्थितियां हो पुलिस को आम जनता से अपनी वर्दी का रोब दिखाने से बचना चाहिए क्योंकि आज भी अधिकांश लोग पुलिस के पास जाने में उन्हे भय व संकोच होता हे। पुलिस को इस स्थिति को बदलना होगा। जनता को भी यह समझना होगा कि पुलिस को सहयोग देना और उसका सम्मान करना उसका दायित्व हे। जहा जनता को अपने इस दायित्व का निर्वहन करना चाहिए वही पुलिस को भी चाहिए की वह अपनी भय वाली छवि बदलने के लिए सक्रिय हो। निसंदेह छवि आचरण में सुधार से ही बदलेगी। लोकतंत्रीय समाज में पुलिस का अपने सभी कार्यों का उत्तर दायित्व जनता के प्रति होता हे। पुलिसजन को इस प्रकार का आचरण करना चाहिए जिससे जनता पुलिसजन को सेवक तथा मित्र मानने को प्रेरित हो। पुलिस और समाज में सकारात्मक और सार्थक संवाद की महती आवश्यकता हे। इस अभाव को दूर कर पाने में यदि हम सफल रहेंगे तभी हमारा पुलिस स्मृति दिवस मनाना सार्थक होगा।

गौरव सोनी, मंदसौर

पेंशनर संगठनों द्वारा मांगों का मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया

मंदसौर, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। प्रमुख पेंशनर एसोसिएशन के प्रांतीय आव्हान पर, भारत पेंशन समाज एवं एम.पी.ई.बी. पेंशनर एसोसिएशन के आव्हान पर आज 15 अक्टूबर को प्रदेश के पेंशनरों की लंबित 12 सूत्रीय मांगों को लेकर माननीय मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर श्रीमती स्वाती तिवारी को संगठनों के जिलाध्यक्ष पं. गोपालकृष्ण शर्मा, सतीश नागर, अशोक कुमार शर्मा, रूपनारायण जोशी, राजेन्द्रसिंह चौधरी, अर्जुन झलोया, गोविन्दसिंह पंवार, राजेन्द्रसिंह चौहान, बलवंतसिंह कोठारी के नेतृत्व में ज्ञापन दिया गया।

इस अवसर पर मोतीसिंह राठौर, ऋषभ कोठारी, वल्लभ बघेरवाल, दिनेश आचार्य, भूपेन्द्र तिवारी, कैलाश उपाध्याय, सुरेश व्यास, अभय कुमार जैन, दिलीप कुमार काले, सतीश कापरेले, नवनीत डाबी, अम्बालाल चन्द्रावत, जयचंद पाटीदार, केसी श्रीवास्तव, महेन्द्रकुमार नागर, सुभाषचन्द्र गुप्ता, जगदीश सोनी, ब्रजेश टांकवाल, शंकरलाल सूर्यवंशी, प्रकाश जैन, एस.डी. भावसार, विजय मोगरा, अजय उपाध्याय, रतनसिंह राठौर, राजेन्द्र शर्मा, गुलाबचंद कछावा, जगदीशचन्द्र सलोद, रमेशचन्द्र शर्मा, धर्मेन्द्र शर्मा, चम्पालाल तंवर, मेहमूद एहमद, प्रकाश पारमेकर, तनसुखलाल मेहता, भगवतीप्रसाद लुहार, मानमल खिंचावत, हंसराज रोदवाल, पी.एस. चंदवानी, सुभाषचन्द्र गुप्ता, जगदीशचन्द्र सोनी, जयचंद पाटीदार आदि कई पेंशनरों ने प्रदर्शन एवं ज्ञापन देने में अपनी सहभागिता की। पेंशनरों की प्रमुख मांगों में धारा 49 (6) को समाप्त करना, 30 जून और 31 दिसम्बर की काल्पनिक वेतन वृद्धि, छत्तीसगढ़ शासन के आदेशा अनुसार बिना न्यायालय के लाभ दिया जावे, मार्च 2024 से दिये गये महंगाई राहत 4 प्रतिशत का भुगतान किया जाये, जनवरी 24 से 4 प्रतिशत महंगाई राहत बिना छत्तीसगढ़ की स्वीकृति के दी जावे, 27 माह एवं 20 माह का एरियर भुगतान किया जावे, सेवानिवृत्ति के 65 वर्ष पर

5 प्रतिशत, 70 वर्ष पर 10 प्रतिशत, 75 वर्ष पर 15 एवं 80 वर्ष के प्रारंभ से अतिरिक्त 20 प्रतिशत पेंशन देने की स्वीकृति दी जावे। चतुर्थ समयमान वेतनमान का लाभ शिक्षक संवर्ग को दिया जावे। कम्यूटेशन की राशि वसूली की अवधि न्यायालय के निर्णयानुसार 15 वर्ष से कम कर 11 वर्ष की जावे, पुरानी पेंशन बहाल की जावे, प्रदेश स्तर पर पेंशनर कल्याण मण्डल एवं जिला स्तर पर पेंशनर फोरम गठित किया जाकर बैठक आयोजित की जावे एवं संगठनों के पत्रों का उत्तर दिया जाने के निर्देश दिये जावे। 1 जनवरी 2016 के पूर्व वरिष्ठ पेंशनरों को केंद्र सरकार के 4.08.2016 एवं 12.05.2017 का लाभ काल्पनिक वेतन निर्धारित कर दिया जावे आदि अनेक मांगे ज्ञापन का ध्यान आकर्षित कर दीपावली पूर्व 4 प्रतिशत महंगाई राहत स्वीकृति की मांग की गई। ज्ञापन का वाचन अशोक कुमार शर्मा ने किया एवं आभार सतीश नागर एवं कन्हैयालाल भावसार द्वारा व्यक्त किया गया। यह जानकारी सतीश नागर ने दी।

डॉ. उषा अग्रवाल की पुस्तक कल्चरल हेरिटेज मैनेजमेंट एण्ड सस्टेनेवल डेवलपमेंट का विमोचन लंदन में

मंदसौर, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। 15 वीं ITHC इंटरनेशन टयुरिज्म कान्फ्रेंस के उद्घाटन अवसर पर डॉ. उषा अग्रवाल की पुस्तक, कल्चरल हेरिटेज मैनेजमेंट एण्ड सस्टेनेबल डेवलपमेंट का विमोचन किया गया। यूनिवर्सिटी ऑफ वोल्वर हेम्पटन इंग्लैण्ड में आयोजित इस कान्फ्रेंस में प्रो. क्लेरे स्चोफिल्ड डीन, फैकल्टी ऑफ आर्टस एण्ड बिजनेस एण्ड सोश्सल साइंस एवं प्रो. एस.पी. बंसल प्रेसीडेंस खढ्ढक्उ एवं वाइस चांसलर, केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश द्वारा इस पुस्तक का विमोचन किया गया गया।

डॉ. उषा अग्रवाल ने बताया कि यह पुस्तक मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक विरासत के प्रबंधन पर आधारित है। इसमें मुख्य रूप से संस्कृति क्या है, इसको कौन संरक्षित करेगा और कैसे संरक्षित किया जाय पर अध्ययन किया गया है। पुस्तक में पर्यटन की दृष्टिसे 10 केस स्टड्ज को लिया गया है, जैसे सांची के पर्यटन स्थल का प्रबंधन, पर्यटक प्रबंधन का महत्व, पंचमंढ़ी में रिस्पोसिबल पर्यटन की रणनीति, भीम बैठका का राक हेरिटेज, मंदसौर के पशुपतिनाथ मंदिर का सुरक्षा प्रचार और प्रबंधन की दृष्टिसे अध्ययन प्रस्तुत किया गया हैं साथ ही इस पुस्तक में सांस्कृतिक विरासत संरक्षण के कानून और स्टेक होल्डर पर प्रकाश डाला गया है। म.प्र. के पर्यटन विकास हेतु अनेक सुझावों को प्रस्तुत किया गया है। इस अवसर पर इंडियन टयुरिज्म एण्ड हास्पिटलिटी कांग्रेस के सदस्यों द्वारा डॉ. उषा अग्रवाल को पर्यटन के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

छह जुआरी पकड़ाए, दो फरार

मंदसौर, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। शहर कोतवाली पुलिस ने मुखबीर सूचना पर एक जुआ घर पर दबिश देकर मौके से छह जुआरियों को पकड़ा है। जबकि, दो जुआरी मौका देखकर भाग निकले। पकड़े गए आरोपियो के कब्जे से 42 हजार 430 रुपए और जुआ सामग्री बरामद की है। आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट का प्रकरण दर्ज किया है।

शहर कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली थी कि मस्तान शाह दरगाह के पीछे कुछ लोग अवैध रूप से हार जीत का दाव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। मुखबीर की सूचना पर पुलिस ने मौके पर दबिश देते हुए मरदादीन मोहल्ला निवासी मोहसिन, बिलाल, अयाज, मुबारिक निवासी भैसा पहाड़, जीवन मकवाना निवासी शेखा चौक, भेरूलाल जग्गा खेड़ी को गिरफ्तार किया है। वहीं दो आरोपी इलियास व इकबाल मौके से फरार हो गए। मौके से पुलिस ने 42 हजार 430 रुपए व ताशपत्ती बरामद की है। सभी आरोपियो के विरूद्ध जुआ एक्ट का प्रकरण दर्ज किया है।

अब सभी ग्राम पंचायतों में भी होगी जनसुनवाई-कलेक्टर

नीमच, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। जिले में उपखण्ड एवं तहसील कार्यालयों के साथ ही अब आगामी मंगलवार से सभी ग्राम पंचायत कार्यालयों में भी जनसुनवाई की जावेगी। ग्राम पंचायत कार्यालयों में पटवारी, पंचायत सचिव, रोजगार सहायक, ग्रामीण कृषि विकास अधिकारी, महिला एवं बालविकास सुपरवाईजर आदि उपस्थित होकर पूरे दिन जनसुनवाई कर, ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण करेंगे। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जनसुनवाई करते हुए दिए। जनसुनवाई में कलेक्टर ने 76 आवेदको से चर्चा कर, उनकी समस्याए सुनी और उनका निराकरण करने के निर्देश संम्बधित अधिकारियों को दिए। इस मौके पर ए.डी.एम श्रीमती लक्ष्मी गामड़, एसडीएम डॉ.ममता खेडे, सभी डिप्टी कलेक्टर एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे।

जनसुनवाई में.मप्र राज्य कर्मचारी आवास निगम कालोनी कनावटी के रहवासियों द्वारा चालीस फीट सडक पर अवैध अतिक्रमण कर, मार्ग अवरूद्ध करने वाले के विरूद्ध कार्यवाही करने के आवेदन पर कलेक्टर ने तहसीलदार नीमच नगर को निर्देश दिए, कि वे तत्काल मौके पर जाकर अतिक्रमण हटवाए और रास्ता खुलवाए। कलेक्टर ने सीएमओं नीमच को निर्देश दिए, कि वे शहर में सभी मार्गो सड्कों पर अतिक्रमण को चिन्हित कर अतिक्रमण हटवाए और रास्ते क्लीयर करवाए। जनसुनवाई में नीमच सिटी निवासी श्रीमती श्यामा धाकड़ ने घर के एक मात्र कमाऊ सदस्य पति महेश धाकड की मृत्यु हो जाने से आर्थिक स्थिति प्रभावित हो जाने पर आर्थिक सहायता का अनुरोध किया। कलेक्टर ने रेडक्रास से श्याम धाकड को 12 हजार रूपये की तत्कालिक आर्थिक सहायता स्वीकृत कर भुगतान के निर्देश दिए।

सोयाबीन उपार्जन हेतु गुणवत्ता जांच प्रशिक्षण आज

मंदसौर, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल द्वारा बताया गया कि सोयाबीन उपार्जन की गुणवत्ता जांच प्रशिक्षण 16 अक्टूबर 2024 को आयोजित होगा। प्रशिक्षण दोपहर 11:00 बजे कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में आयोजित होगा।

बालक-बालिकाओं को नि:शुल्क सायकलों का वितरण

नंदावता, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। शासकीय उच्तर माध्यमिक विद्यालय नंदावता मै बालक बालिकाओ को शासन द्वारा नि: शुल्क सायकलो का वितरण किया गया इस अवसर पर जनपद सदस्य भगत जी गामी ने विद्यार्थियो का माला पहनाकर स्वागत किया।उन्होने कहा की समीप के गांवो से आने वाले छात्र छात्राओ को अपनी पढाई जारी रखने मे सुविधा हो सकेगी। इस अवसर पर स्कूल शिक्षक पालक संघ के अध्यक्ष रमेश गिर ,संस्था प्रधान दुर्गालाल सेन, शम्भू सिंह खरवर, मनोहर झावा, कंवर लाल प्रजापति, कैलाश पाटीदार, वजेराम बामनिया, पिंकी कुमावत, गायत्री प्रसाद शर्मा, प्रेरणा उपाध्याय, अरविंद पटेल, रानु सेन, मान गिरी आदि के साथ पालक गण भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन रामरतन कुमावत ने किया आभार चन्द्र शेखर हलकारा ने माना।

पशु क्रुरता निवारण अधिनियम के तहत वाहन राजसात

नीमच, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। एडीएम द्वारा थाना बघाना के अपराध क्रं.251/2024 धारा 4,6,9, 6ए/9 म.प्र.गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम 2004 तथा 4(1), 6(क), 6(ख) (1), 10 म.प्र.कृषि पशु परिरक्षण अधिनियम एवं 11(1)(डी), पशु क्रुरता अधिनियम एवं धारा 66, 192 ए मोटरयान अधिनियम 1988 के प्रकरण न्यायवयालय अतिदरिक्त कलेक्टएर एवं अतिरिक्त9 जिला दण्डााधिकारी जिला नीमच म.प्र. में प्रकरण में एडीएम श्रीमती लक्ष्मीर गामड द्वारा 10 अक्टूबर 2024 को आदेश पारित कर प्रकरण में जप्तयशुदा वाहना टाटा ट्रक वाहन क्रमांक आर.जे.20 जी.सी.6221 तथा उसमें कूरतापूर्वक वध हेतु ले जाए जा रहे कुल 11 गौवंश गायों को मध्याप्रदेश गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम 2004 व 11(घ) पशु परिरक्षण अधिनियम व पशु क्रुरता निवारण अधिनियम 1960 के उल्ल्घन के फलस्व1रूप शासन हित में (राजसात) करने का आदेश जारी किया हैं।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	653	2040	2450
उडद	229	6000	7150
सोयाबीन	5100	3600	4600
गेहु	3698	2650	3200
चना	178	6001	7020
मसुर	109	5010	6240
धनिया	342	5286	7300
लहसुन	10700	12001	31001
मैथी	880	5000	6201
मुंगफली	5200	3640	5510
अलसी	2000	5500	6173
सरसो	282	5200	5901
तारामीरा	4	4760	4899
इसबगोल	116	9500	12900
प्याज	2100	1730	3991
कलोंजी	9	8900	18000
तुलसी बीज	12	13000	21786
डॉलर	52	6430	12006
तिल्ली	42	9901	12261
जौ	27	2401	2520
मटरसुखी	11	5000	6666
असालीया	30	10400	12900
मूंग	0000	0000	0000

कार्यालय नगर पालिका परिषद् मन्दसौर (म.प्र)

नामातंरण विज्ञप्ति

क्रमांक 2465/नामांतरण/2024

मन्दसौर दिनांक 15.10.2024

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय को निम्नलिखित भवनों/ भूमियों पर नामातंरण हेतु आवेदन पत्र प्राप्त हुए है। जिस किसी को इन आवेदनो पर आपत्ति हो तो उक्त विज्ञप्ति प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर आपत्ति मय ठोस दस्तावेज के साथ प्रस्तुत कर सकते है। समयावधि के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा तथा नियमानुसार नामातंरण की कार्यवाही की जावेगी। सूचित हो।

क्र.	प्रकरण क्र.	मोहल्ला	वार्ड नं.	प्लाट/ मकान नं.	नगर पालिका रिकार्ड में दर्ज नाम	अंतरण कराने वाले का नाम	किसके हक में अंतरण होगा	माध्यम/ आधार
1	1556x7/2024	नंदा नगर-1	5	प्लांट नं. 24	स्व. चैनसिंह पिता भवानीसिंह सोनगरा	स्व. चैनसिंह पिता भवानीसिंह सोनगरा	मुन्नाकुंवर पति स्व. चैनसिंह सोनगरा	शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र
2	1557x7/2024	आनंद विहार एक्स.1	5	प्लांट नं. 90	सूर्यकांत पिता हरीवल्लभ पोरवाल अजयकुमार पिता हरीवल्लभ पोरवाल	सूर्यकांत पिता हरीवल्लभ पोरवाल अजयकुमार पिता हरीवल्लभ पोरवाल	डिम्पल पति नितिन पोरवाल	विक्रय पत्र
3	1558x7/2024	कोटवानी विहार	21	प्लांट नं. 16	कालो. किशनलाल पिता कुंदनमल धनवानी	कालो. किशनलाल पिता कुंदनमल धनवानी कांता पति किशनलाल धनवानी एवं आदि	हरीशंकर पिता नंदाराम कुमावत	विक्रय पत्र
4	1559x7/2024	नवकार गोल्ड	4	प्लांट नं. 56	चौरड़िया एण्ड कंपनी द्वारा भागीदार प्रमेन्द्र चौरड़िया पिता सोहनलाल चौरड़िया	चौरड़िया एण्ड कंपनी द्वारा भागीदार प्रमेन्द्र चौरड़िया पिता सोहनलाल चौरड़िया	सचिन, सुनील पिता प्रकाशचंद्र मोटवानी	विक्रय पत्र
5	1560x7/2024	पद्मावती टाउनशीप	26	प्लांट नं. 28बी	पद्मावती डेवलपर्स द्वारा अधिकृत अभिनंदन पिता रमणीकलाल भाचावत	पद्मावती डेवलपर्स द्वारा अधिकृत अभिनंदन पिता रमणीकलाल भाचावत	अनिता पति महेन्द्र जैन	विक्रय पत्र
6	1561x7/2024	शारदा विहार	39	प्लांट नं. 20	कालो. नंदकिशोर पिता शांतिलाल अग्रवाल व आदि	अजय पिता सुरेन्द्र पाटीदार	विवेक पिता हेमनारायण शर्मा	विक्रय पत्र
7	1562x7/2024	श्री शनि विहार	34	मकान नं.120	मनोरमा पति जगदीशपुरी गोस्वामी	मनोरमा पति जगदीशपुरी गोस्वामी	नेहा पति नितेश पंवार	विक्रय पत्र
8	1563x7/2024	जिनदत्त विहार	39	प्लांट नं. एफ 4	मोहनबाई उर्फ मोहिनीबाई आनंद पति श्री बालाराम आनंद	मोहनबाई उर्फ मोहिनीबाई आनंद पति श्री बालाराम आनंद	दिनेश पिता निवास आचार्य	विक्रय पत्र
9	1564x7/2024	श्री शनि विहार	34	प्लांट नं. 18	ज्योति पति मुकेश काला	ज्योति पति मुकेश काला	भावना झडिया पति मनोहर झड़िया	विक्रय पत्र
10	1565x7/2024	महू नीमच रोड	26	प्लांट नं. 58 का भाग	मो.युनुस खान पिता मुशी खान पठान	मो.युनुस खान पिता मुशी खान पठान	मतीन अहमद पिता हयात मो.	विक्रय पत्र
11	1566x7/2024	दाताश्री विहार	4	प्लांट नं. बी-22	दिलीप पिता जेठानंद मुलचंदानी	भागीदार दाताश्री विहार इंटरप्राईजेस दिलीप पिता जेठानंद मुलचंदानी व आदि	विनोदकुमार पिता भंवरलाल सोलंकी	विक्रय पत्र
12	1567x7/2024	नजमपुरा	23	प्लांट नं. 24 का भाग	शीरिनबाई पति शफकत हुसैन साबुवाला व आदि	शीरिनबाई पति शफकत हुसैन साबुवाला व आदि	अरवा पति अलीअसगर कागदी	विक्रय पत्र
13	1568x7/2024	यश इनक्लेव	39	प्लांट नं. 9	सुशीलादेवी पति रणछोड़प्रसाद गनेड़ीवाल व आदि	सुशीलादेवी पति रणछोड़प्रसाद गनेड़ीवाल व आदि	सुनीता पति प्रदीपकुमार बंसल गरिमा पति आशुतोष बंसल	विक्रय पत्र विक्रय पत्र
14	1569x7/2024	संजय हिल्स	2	प्लांट नं. 128 का पश्चिमी भाग	कालो. फकीरा पिता सवाजी गुर्जर	स्व. गंगादेवी पति जयसिंह ठकुल्ला	जयसिंह पिता अमरसिंह ठकुल्ला	शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र
15	1570x7/2024	अशोक मार्ग किला रोड	23	मकान नं.161	शैलेन्द्र पिता लक्ष्मीनारायण सोनी	रमेशचंद्र पिता लक्ष्मीनारायण सोनी व आदि	दुर्गेश पिता विनोद सोनी	विक्रय पत्र

राजस्व अधिकारी
नगर पालिका मन्दसौर (म.प्र.)

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद मन्दसौर (म.प्र.)

मंदसौर को संभाग बनाने की मांग: प्रक्रिया, संभावनाएं और चुनौतियों से कोसों दूर

मंदसौर, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर जिला पिछले दो दशकों से एक महत्वपूर्ण मांग को लेकर चर्चा में है कि मंदसौर को संभाग का दर्जा दिया जाए। हाल के में यह मांग और भी जोर पकड़ रही है, जिसके तहत नागरिकों द्वारा पोस्टकार्ड अभियान जैसी गतिविधियां शुरू की गई हैं। मंदसौर के साथ नीमच और रतलाम जिलों को मिलाकर एक नया संभाग बनाने की बातें की जा रही हैं। इस कदम से क्षेत्र के नागरिकों को प्रशासनिक कामकाज के लिए दूरस्थ संभागीय कार्यालयों में जाने की समस्या से निजात मिल सकती है। हालांकि, इस प्रक्रिया के लिए कई औपचारिकताएं और चुनौतियाँ हैं, जिनका समाधान करना जरूरी है।

मंदसौर को संभाग बनाने की जरूरत–मध्यप्रदेश के मौजूदा प्रशासनिक ढांचे में कई जिलों के नागरिकों को अपने संभागीय कार्यालयों तक पहुंचने के लिए 200 किलोमीटर या उससे अधिक की दूरी तय करनी पडती है। इससे न केवल समय और श्रम की बर्बादी होती है, बल्कि आर्थिक बोझ भी बढ़ता है। मंदसौर और आसपास के जिले इसी समस्या से जूझ रहे हैं। नागरिकों का मानना है कि अगर मंदसौर को संभाग बना दिया जाता है, तो इससे प्रशासनिक कामकाज की सुविधा बेहतर हो सकेगी और विकास की गति तेज होगी।

नेमीचंद राठौर

प्रशासनिक पुनर्गठन की प्रक्रिया–संभाग बनाने की एक निश्चित प्रक्रिया होती है। सबसे पहले जिला योजना समिति में इस प्रस्ताव को पारित कर राज्य सरकार को भेजना होता है। इसके बाद संबंधित जिलों की नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों की परिषदों में भी इस प्रस्ताव पर चर्चा और मंजूरी ली जाती है। फिर, यह प्रस्ताव राज्य सरकार के समक्ष रखा जाता है, जो अंतिम निर्णय लेती है।

इस प्रक्रिया में जनप्रतिनिधियों, नागरिकों और प्रशासन की एकजुटता बेहद जरूरी होती है। बिना राजनीतिक इच्छाशक्ति और नागरिकों के समर्थन के, ऐसे प्रस्तावों को मूर्त रूप देना मुश्किल हो सकता है। इस संदर्भ में, हाल में मंदसौर में चल रही पोस्टकार्ड अभियान जैसी गतिविधियाँ जन समर्थन का एक मजबूत संकेत हैं।

प्रशासनिक पुनर्गठन आयोग का गठन–मध्यप्रदेश सरकार ने जिलों और संभागों के पुनर्गठन के लिए एक आयोग का गठन किया है, जिसकी अध्यक्षता रिटायर्ड एसीएस मनोज श्रीवास्तव करेंगे। इस आयोग का उद्देश्य उन जिलों और संभागों की समस्याओं का अध्ययन करना है, जहाँ प्रशासनिक दूरी या अन्य दिक्कतें नागरिकों को परेशान करती हैं। आयोग मुख्य रूप से सागर, धार, इंदौर और उज्जैन जैसे जिलों पर ध्यान देगा, लेकिन मंदसौर को लेकर भी आयोग में चर्चा होने की संभावना है। आयोग को एक साल तक काम करना है, जिसके दौरान वह विभिन्न जिलों की मौजूदा स्थिति और प्रशासनिक समस्याओं का विस्तृत अध्ययन करेगा। आयोग की सिफारिशों के आधार पर राज्य सरकार नए संभाग और जिलों के सीमांकन पर विचार करेगी।

मंदसौर को संभाग बनाने की चुनौतियाँ–हालांकि मंदसौर को संभाग बनाने की मांग मजबूत है, लेकिन इस दिशा में कई चुनौतियाँ भी हैं। संभागीय पुनर्गठन के लिए न केवल प्रशासनिक और राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना होगा कि नए संभाग का गठन आर्थिक, सामाजिक और प्रशासनिक दृष्टिकोण से सही हो। नए संभाग के लिए पर्याप्त बुनियादी ढांचे की जरूरत होगी, जिसमें सरकारी कार्यालय, स्टाफ और संसाधनों का प्रबंधन शामिल है। साथ ही, अन्य जिलों की सीमाओं के पुनर्निर्धारण से जुड़े विवाद भी सामने आ सकते हैं, जिनका हल निकालना जरूरी होगा।

मंदसौर को संभाग बनाए जाने के फायदे–यदि आयोग की सिफारिशों के आधार पर मंदसौर को संभाग का दर्जा मिलता है, तो इससे स्थानीय नागरिकों को कई लाभ होंगे। सबसे पहले, उन्हें प्रशासनिक कार्यों के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी। दूसरे, इस कदम से क्षेत्र का विकास तेज होगा, क्योंकि संभागीय केंद्र बनने से मंदसौर में नए अवसर और निवेश आने की संभावना बढ़ेगी। संभागीय कार्यालयों के निकट होने से प्रशासनिक कामकाज में पारदर्शिता और तेजी आएगी, जो नागरिकों के लिए राहत का काम करेगी। इसके अलावा, नए संभाग के गठन से स्थानीय रोजगार के अवसरों में भी इजाफा होगा। मंदसौर को संभाग बनाने की मांग जनहित में है, लेकिन इसे साकार करने के लिए एक लंबी और सुनियोजित प्रक्रिया से गुजरना होगा। प्रशासनिक पुनर्गठन आयोग का गठन इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अब यह देखना होगा कि आयोग अपनी सिफारिशों में क्या निर्णय लेता है और राज्य सरकार इस पर कैसे कार्रवाई करती है। यदि सभी पक्ष एकजुट होकर इस मांग को आगे बढ़ाते हैं, तो मंदसौर का भविष्य उज्ज्वल हो सकता है, और यह क्षेत्र मध्यप्रदेश के विकास का एक नया केंद्र बन सकता है।

मामला घासीराम मीणा की हत्या का...

पुलिस पर आरोपियों को बचाने का आरोप

टीआई को हटाने और फिर से जांच की मांग को लेकर पुलिस कप्तान के नाम सौंपा ज्ञापन

गरोठ, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। थाना क्षेत्र के लखमाखेड़ी निवासी घासीराम मीना की हत्या का पुलिस ने सोमवार को खुलासा किया था। पुलिस ने हत्या के पीछे आपसी लेनदेन की कहानी बताई थी। इसे लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है। जिसके बाद मंगलवार को जनसुनवाई में गांव से सैकड़ों की संख्या में आए मीना समाज के लोगों ने गरोठ पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए और कहा कि हत्या के पीछे पुलिस की कहानी गलत है। साथ ही टीआई को थाने से हटाने और जांच दूसरे अधिकारी से कराने की मांग करते हुए पुलिस कप्तान को ज्ञापन सौंपा है।

उल्लेखनीय है कि बीते माह 09 सितंबर को मोलाखेड़ी खुर्द में मछली ठेकेदार के गुर्गों नें मिलकर लखमाखेड़ी निवासी घासीराम मीणा की हत्या कर दी थी। मृतक के परिजनों ने मछली ठेकेदार के कर्मचारी रविन्द्र शर्मा, दीपक जाट, कपिल शर्मा, मोहित शर्मा, अजय खाती पर मारपीट कर हत्या करने की शिकायत दर्ज करवाई थी। नामजद आरोपियो के बाद भी पुलिस की शंकास्पद कार्यप्रणाली के चलते परिजनों को कई बार धरना प्रदर्शन और ज्ञापन देना पड़ा।

बीती 09 अक्टूबर को ग्रामीणों ने टीआई धर्मेंद्र शिवहरे का घेराव किया था। एसडीओपी और एएसपी सहित पुलिस बल मौके पर पहुंचा। जहां एएसपी हेमलता कुरील ने ग्रामीणों को एक सप्ताह के भीतर आरोपियों को गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया था। कई बार धरना प्रदर्शन, ज्ञापन और शिकायतों के बाद पुलिस ने हत्या के 35 दिन बाद दो आरोपी रविन्द्र शर्मा पिता सुरेश शर्मा निवासी हिसार हरियाणा और मोहित पिता महावीर को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने रुपयों की लेनदेन को लेकर हत्या की वारदात को अंजाम दिया था। जबकि, हत्या के खुलासे से मृतक के परिजन और समाजजन सन्तुष्ट नहीं है। परिजनों ने आरोप लगाया कि थाना प्रभारी ने सांठगांठ कर हत्या की कहानी बदल दी। परिजनों ने एएसपी को दिए ज्ञापन में बताया कि पुलिस ने घासीराम हत्याकांड के दो आरोपियों को पकड़ा और लेनदेन के विवाद में हत्या करने की बात कही। परिजनों ने पुलिस की कार्रवाई को निराधार और झूठा बताया। साथ ही टीआई धर्मेंद्र शिवहरे पर आरोपियों का बचाव करने का आरोप लगाया है। मृतक के परिजनों ने पुलिस पर आरोप लगाते हुए बताया कि हत्याकांड से 3 महीने पहले गाधीसागर मछली ठेकेदार के मैनेजर राकेश सिंह ने मृतक घीसालाल मिणा को जान से मारने की धमकी दी थी। हत्याकांड का मुख्य साजिशकर्ता राकेश सिंह है। हत्या के 1 महीने तक थाना प्रभारी और राकेश सिंह ने पुलिस विभाग और पीड़ित पक्ष को गुमराह किया। आरोपियों को योजनाबद्ध तरीके से सरेंडर करवाया और तुरंत न्यायालय में पेश किया। इसी दौरान पुलिस ने प्रेस नोट भी जारी किया। इतना ही नहीं पुलिस ने कोर्ट से रिमांड भी नहीं मांगी।

नगर में शरद पूर्णिमा पर होगा श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव

दलौदा, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा दलौदा नगर में 18 वा शरद पूर्णिमा महोत्सव मनाया जा रहा हे जिसमे श्री श्याम संकीर्तन का आयोजन होगा नगर की पाटीदार धर्मशाला दलौदा में शरद पूर्णिमा के अवसर पर श्री श्याम संकीर्तन आयोजित होगा जिसमे बाबा श्याम का भव्य दरबार सजाया जाएगा और इत्र वर्षा भी होगी साथ ही मीठी मीठी खीर प्रसाद्दी का वितरण भी होगा पाटीदार धर्मशाला में आयोजित होने वाले श्री श्याम संकीर्तन में खलीलाबाद उत्तरप्रदेश श्री हरमेंद्र सिंह जी पाल रोमी भैय्या द्वारा सुमधुर भाव भरे भजन सुनाए जायेंगे साथ ही नानी बाई का मायरा भी सुनाएंगे साथ ही श्री कनिका ग्रोवर मनासा एवम विष्णु परिहार द्वारा भी भाव भरे भजन सुनाए जायेंगे श्री श्याम मित्र मंडल के समस्त सदस्यों ने अपील की है की अधिक से अधिक संख्या में धर्मप्रमी जन पधारे और श्री श्याम संकीर्तन का आनंद ले।

कार की टक्कर से बाईक सवार युवक की मौत, दो घायल

नीमच, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। जिले के नयागांव पुलिस चौकी क्षेत्र के केसरपुरा और कानका गांव के समीप एक कार ने दो अलग-अलग स्थानो पर बाइक को टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में एक बाइक चालक युवक की मौत हो गई। जबकि, 2 अन्य घायल हो गए। बताया जा रहा है कि आरोपी कार सवार तीन युवक थे, जो नशे में थे और इस दुर्घटना को अंजाम देने के बाद वे कार छोड़ फरार हो गए।

नशे में धुत कार चालक ने पहले कानका फंटे पर बाइक चालक लाभचंद पिता वर्दीचंद तेली निवासी कानका को टक्कर मारकर घायल कर दिया। इसके बाद कार चालक ने केसरपुरा के यहां एक ओर बाइक को टक्कर मारी। इसमें बाइक चालक शौकीन पिता राधेश्याम निवासी खोर की मौत हो गई। वहीं शुभम नामक युवक घायल हो गया। बताया जा रहा है कि मृतक मौसर कार्यक्रम से अपने घर लौट रहा था। इस दौरान वह हादसे का शिकार हो गया। मृतक और घायल को एंबुलेंस से नीमच के बड़े अस्पताल लाया गया। जहां घायलों का इलाज जारी है। जबकि, मृतक के शव का मंगलवार को परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमॉर्टम किया गया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

इनका कहना–हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई है। दो लोग घायल हैं, जिनका इलाज जारी है। मृतक के शव का नीमच के बड़े अस्पताल में पोस्टमॉर्टम किया गया है। आरोपी फरार हैं, मगर कार को पुलिस ने बरामद कर लिया है। कार रतलाम पासिंग है।

रामपाल सिंह राठौर, चौकी प्रभारी नयागांव जिला नीमच

खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने दो संस्थानों से लिए सेम्पल

मंदसौर, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। जिला कलेक्टर के निदेशार्नुसार आगामी त्यौहारों को ध्यान में रखते हुए, खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। 15 अक्टूबर मंगलवार को कार्यवाही के दौरान दो संस्थानों का निरीक्षण करते हुए गुणवत्ता स्तर की जांच वास्ते नमूने जब्त किये गये है। जिन्हें राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजा गया हैं।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी बी एस जामोद ने बताया कि 15 अक्टूबर मंगलवार को कार्यवाही के दौरान मंदसौर के श्याम किराना स्टोर्स से श्रद्धा घी और हेमन्त रोप ट्रेडर्स से हेरिटेज घी के नमुने लिये गयेहैं। सभी खाद्य नमुनों को गुणवत्ता स्तर की जांच वास्ते खाद्य विश्लेषक राज्य खाद्य प्रयोगशाला मप्र भोपाल भेजे गये है जहां से जांच रिपोर्ट आने पर आगामी कार्रवाई की जायेगी। कार्रवाई के दौरान सभी संस्थानो को अपने यहां साफ सफाई रखने एवं पेयजल की व्यवस्था करने के निर्देश दिये गये।

शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने वाले आरोपी को 1 वर्ष का कारावास

मनासा, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। सुश्री शिवांगी सिंह परिहार, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, मनासा के द्वारा शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने वाले आरोपी भेरूलाल पिता भोना जी मालवीय, उम्र-52 वर्ष, निवासी-ग्राम महागढ, तहसील मनासा, जिला नीमच को धारा 353 भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के अंतर्गत 01 वर्ष के कारावास व 100 रूपये अर्थदण्ड से दण्डित किया।

प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी करने वाले एडीपीओं श्री विपिन मण्डलोई द्वारा घटना की जानकारी देते हुए बताया कि घटना लगभग 09 वर्ष पूर्व की होकर दिनांक 31.03.2015 को दिन के समय की ग्राम महागढ स्थित आरोपी के खेतकुँवे की हैं। मनासा तहसील के न्यायालय में विचाराधिन बजावरी प्रकरण जो कि फर्म गुलाबचंद्र छगनलाल जैन, मनासा विरूद्ध भेरूलाल मालवीय में माननीय न्यायालय द्वारा आरोपी के विरूद्ध वसुली का कुर्की वारण्ट जारी किया गया था। कुर्की वारण्ट के पालन में न्यायालय में आदेशिका वाहक के पद पर पदस्थ बहादुरसिंह चंदेल द्वारा घटना दिनांक को आरोपी के खेतकुंवे पर जाकर कुर्की वारण्ट पर उल्लैखीत रकम को जमा किये जाने हेतु कहा गया, किन्तु आरोपी द्वारा रकम को जमा कराये जाने से इंकार किया गया। जब आदेशिका वाहक द्वारा कुर्की की कार्यवाही प्रारम्भ करना चाहा तो आरोपी पत्थर लेकर सामने खड़ा हो गया व आदेशिका वाहक के साथ धक्का-मुक्की कर शासकिय कार्य में बाधा उत्पन्न की गई, जिस कारण आदेशिका वाहक को वहां से जाना पड़ा। घटना की रिपोर्ट पर से आरोपी के विरूद्ध थाना मनासा में प्रथम सूचना रिपोर्ट पंजीबद्ध की गई एवं आवश्यक अनुसंधान उपरांत अभियोग पत्र मनासा न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। अभियोजन की ओर से न्यायालय में फरियादी, चश्मदीद साक्षी सहित सभी महत्वपूर्ण गवाहों के बयान कराकर अपराध को प्रमाणित कराते हुवे आरोपी को कठोर दण्ड से दण्डित किये जाने का निवेदन किया गया, जिस पर से माननीय न्यायालय द्वारा आरोपी को उपरोक्त दण्ड से दण्डित किया गया। प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी श्री विपिन मण्डलोई, एडीपीओ द्वारा की गई।

जिला स्तरीय जनसुनवाई गरोठ एसडीएम कार्यालय में संपन्न

मंदसौर, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। जिला स्तरीय जनसुनवाई आज गरोठ एसडीएम कार्यालय में आयोजित की गई। जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग ने लोगों की समस्याओं को सुना तथा तुरन्त समाधान किया। इसके साथ ही जिले के सभी अधिकारियों को ऑनलाइन वीसी के माध्यम से जोड़कर आम जनों की समस्यायों का तुरंत समाधान करवाया। जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर ने महिला बाल विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि आंगनवाड़ियों में बच्चों की उपस्थिति के साथ ही खाने की गुणवत्ता चेक करे। साथ ही विधिवत अपना कार्य निरंतर करें। राजस्व विभाग केअधिकारी जमीन से जुड़े हुए मामले जैसे सीमांकन, नामांतरण, बटवारा इत्यादि प्रकरणों का तुरंत समाधान करें तथा यह कार्य निरंतर चलना चाहिए, इसमें किसी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए। सोयाबीन उपार्जन के लिए कृषकों के पंजीयन के पश्चात कृषक सत्यापन का कार्य जल्द पूर्ण करें। इसके लिए दल गठित करें तथा कार्य जल्द पूर्ण करें। आगामी त्यौहारों को ध्यान में रखते हुए पटाखा फैक्ट्री, दुकानों की जांच करें। ऐसे निर्माण उद्योग जिन्होंने निर्माण के लिए पंजीयन करवाया, लेकिन अन्य चीजें निर्माण कर रहे हैं, तो उन पर कार्यवाही करें। इसके साथ जनसुनवाई के दौरान मारपीट, पीएम आवास, रास्ता विवाद, बटांकन, अतिक्रमण, रास्ते पर कब्जा, अनुदान सहायता, पेंशन सहायता इत्यादि के संबंध में आवेदन प्राप्त हुए।

न्यायालय के आदेश पर प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। न्यायालय में माल पेश नही करने व उपस्थित नही होने पर कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया। जानकारी के अनुसार पिपलिया जोधा निवासी दलसिंह पिता मांगीलाल बंजारा नोटिस तामिल के बाद भी अनुपस्थित रहाव माल पेश नही किया। द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश, कनिष्ठखंड नारायणगढ की रिपोर्ट पर नाहरगढ पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 316 (2) बीएनएस में केस दर्ज किया।

शिक्षा के अधिकार कानून के... पेज 1 से जारी

मदरसे मान्यता प्राप्त निकले हैं। बीते शिक्षण सत्र मे 20 लाख बच्चों ने इनमें प्रवेश लिया था। मध्य प्रदेश में मदरसों को 25 हजार रुपया सालाना अनुदान दिया जाता है। मदरसा बोर्ड के 20वे स्थापना दिवस पर पूर्व मुख्यमंत्री ने मदरसा ऑडिटोरियम बनाने की घोषणा के साथ मानव देय बढ़ाने की भी घोषणा की थी। जबकि, वर्तमान डॉक्टर मोहन यादव सरकार में 37.5 प्रतिशत मदरसे कमियां पाने के कारण बंद किए गए हैं। राजस्थान में 3 हजार 240 मदरसो को 9 करोड़ रुपए केंद्रीय अनुदान ना मिलने पर गहलोत सरकार ने 188 लाख रूपयो का अनुदान दिया था। महाराष्ट्र की शिंदे सरकार ने प्रति मदरसा 10 लाख रुपए अनुदान देने की घोषणा की है।

तुष्टीकरण के राजनीतिक वातावरण में अब ऐसे शिक्षण संस्थानों को लेकर शिक्षा जगत में चर्चा आम है कि एनसीपीसीआर ने जब मदरसों को अनुदान ना देने और बंद करने की राज्य सरकारों से अनुशंसा की है तब क्या मदरसों के स्थान पर मुस्लिम बच्चों के लिए औपचारिक शिक्षा संस्थान खोले जाएंगे! राज्य सरकारें इनकी शिक्षा व्यवस्था के लिए बजट अलग से स्वीकृत कर पाएगी! या मात्र घोषणा कर बदहाल छोड़ दिया..!

एनसीबी ने जारी किया लुकआउट... पेज 1 से जारी

प्रति किलो के हिसाब से पैसे लेता था। ये पैसा वह सीधे शोएब लाला को पहुंचाता था। भोपाल से मंदसौर तक माल लाने के बदले उसे एक लाख रुपए प्रति किलो के हिसाब से पैसे मिलते थे। हरीश ने जांच एजेंसी को ये भी बताया है कि भांजी की शादी के बाद उस पर 45 लाख रुपए का कर्ज हो गया था। वो इस धंधे के नेटवर्क को जानता था। वह पहले डोडा-चूरा और फिर ड्रग्स सप्लाई के काम में शामिल हो गया।

शोएब के पास है कई मोबाईल नंबर–बीती 06 अक्टूबर को भोपाल के बगरोदा में जब एनसीबी और गुजरात एटीएस ने एमडी ड्रग्स बनाने वाली फैक्ट्री को पकड़ा तो दो आरोपी महाराष्ट्र के सान्याल माने और अमित चतुर्वेदी को तुरंत ही गिरफ्तार कर लिया था। दोनों से पूछताछ में मंदसौर के तस्कर हरीश आंजना के बारे में पता चला। एनसीबी ने मंदसौर से आंजना की गिरफ्तारी की। इसके बाद 09 दिन तक तीनों से अलग-अलग और एक साथ पूछताछ की गई। तीनों ने पूछताछ में बताया कि भोपाल में एमडी ड्रग्स की फैक्ट्री बनाने का आइडिया शोएब का ही था। एनसीबी ने जब तीनों आरोपियों की कॉल डिटेल्स का एनालिसिस किया तो पाया कि शोएब लाला तीनों से अलग-अलग नंबरों से बातचीत करता था। भोपाल में फैक्ट्री को लगाने के पीछे सबसे बड़ी वजह यह थी कि एनसीबी और दूसरी जांच एजेंसियों को इसकी भनक तक नहीं लगती। और यहां से दूसरे राज्यों में ड्रग्स पहुंचाना आसान था।

तीनों आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि शोएब ने फैक्ट्री को लेकर पूरी प्लानिंग पहले से की थी। सान्याल माने जब मुंबई की ऑर्थर रोड जेल से बाहर आया तो शोएब ने उससे संपर्क किया और फैक्ट्री लगाने का काम सौंपा। सान्याल माने ने एनसीबी को बताया है कि जैल में रहते हुए मैंने तय किया था कि अब ड्रग्स स्मगलिंग का काम नहीं करूंगा। जब जैल से छूटा तो शोएब का कॉल आया। उसने मुझसे जिस अंदाज में बात की, मैं मना नहीं कर सका। शोएब ने मुझसे कहा था कि फैक्ट्री का पूरा काम मैं ही देखूंगा। ये बहुत सेफ है। किसी को इसकी भनक तक नहीं लगेगी। मैंने भी सोचा कि मुंबई से भोपाल आता-जाता रहूंगा तो किसी को शक भी नहीं होगा। सान्याल ने कहा कि जब फैक्ट्री की जगह फाइनल हुई और हमने काम शुरू किया, तब शोएब लाला खुद फैक्ट्री देखने के लिए भोपाल आया था। उसने पूरा प्लान भी समझाया था कि कैसे फैक्ट्री से ड्रग्स की सप्लाई होगी और किसके पास, कितना कमीशन पहुंचेगा। मगर, मुझे नहीं पता था कि मेरे जैल से छूटने के बाद से एनसीबी की मुझ पर नजर थी। सान्याल ने ये भी बताया कि उसकी पत्नी और बेटा मुंबई में रहते हैं।

भगवान के दीपक हेतु रुई... पेज 1 से जारी

बोला गया। वीडियो में मुस्लिम व्यक्ति ग्रामीणों से कसम खाकर बोल रहा हैं, की मैंने ऐसा कुछ नहीं किया है। इस मामले में नाथूखेडी के लोगो का कहना कि हमें ऐसे किसी वीडियो का पता नहीं हैं ओर गांव में ऐसा कुछ नहीं हुआ है। साफ तौर पर इस मामले को लेकर ग्रामीणों ने इनकार कर दिया। हालांकि इस मामले अभी पुलिस को किसी भी प्रकार की शिकायत नहीं हुई है। थाना प्रभारी कमलेश प्रजापति का कहना है कि वीडियो की जानकारी मिली थी लेकिन अभी तक किसी ने थाने में शिकायत दर्ज नहीं कराई है।

मारपीट करने वाले एक आरोपी को 6 माह तथा दूसरे को तीन माह का कारावास

मनासा, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। शिवांगी सिंह परिहार, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, मनासा के द्वारा रास्ते के विवाद के कारण बुजुर्ग व्यक्ति से मारपीट करने वाले आरोपी नंदकिशोर पिता नाथूलाल पाटीदार, उम्र-38 वर्ष, निवासी-ग्राम चूकनी, तहसील मनासा, जिला नीमच को धारा 323 भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के अंतर्गत 06 माह का कारावास व 500रू. अर्थदण्ड एवं दूसरे आरोपी कैलाश पिता गंगाराम बंजारा, उम्र-44 वर्ष, निवासी-ग्राम कुण्डखेडा, तहसील मनासा, जिला नीमच को धारा 323/34 भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के अंतर्गत 03 माह का कारावास व कुल 1500रू. अर्थदण्ड से दण्डित किया।

प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी करने वाले एडीपीओं श्री विपिन मण्डलोई द्वारा घटना की जानकारी देते हुए बताया कि घटना लगभग 09 वर्ष पूर्व दिनांक 23.10.2016 दिन के समय की खेत के रास्ते की हैं। फरियादी देवीलाल एवं आरोपीगण के मध्य रास्ते का विवाद चल रहा था, जिसमें एडीएम न्यायालय द्वारा फरियादी के पक्ष में निराकरण किया गया था। घटना दिनांक को फरियादी का भतीजा आरोपी नंदकिशोर डंपर लेकर आया व रास्ते पर मोरम डालने आया, तो फरियादी के लड़के राधेश्याम पाटीदार व सत्यनाराण पाटीदार दोनों ने नंदकिशोर से कहा कि मोरम खेत में क्यों डालने आ रहा हैं। इसी बात को लेकर आरोपी नंदकिशोर फरियादी व दोनों लडकों से विवाद करने लगा तथा उसने लोहे के खांरचे से नन्दकिशोर को कूल्हे पर मारकर चोट पँहुचायी। फरियादी की बहन ललिता बीच-बचाव करने आई तो आरोपीगण ने उसके साथ भी लात-थप्पड़ो से मारपीट की। फरियादी के दोनो लड़को व गांव के लोगो द्वारा बाद मे बीच-बचाव किया गया। फरियादी की रिपोर्ट पर से आरोपीगण के विरूद्ध थाना मनासा में प्रथम सूचना रिपोर्ट पंजीबद्ध करते हुवे आवश्यक अनुसंधान उपरांत अभियोग पत्र मनासा न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। अभियोजन की ओर से न्यायालय में फरियादी व आहतगण सहित सभी महत्वपूर्ण गवाहों के बयान कराकर अपराध को प्रमाणित कराते हुवे आरोपीगण को कठोर दण्ड से दण्डित किये जाने का निवेदन किया गया, जिस पर से माननीय न्यायालय द्वारा आरोपी को उपरोक्त दण्ड से दण्डित किया गया तथा जुर्माने की रकम में से 1000रूपये आहत देवीलाल प्रतिकर के रूप में प्रदान किये जाने का आदेश भी दिया गया। प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी श्री विपिन मण्डलोई, एडीपीओ द्वारा की गई।

✻✻✻ जाहिर सूचना ✻✻✻

दिनांक 15.10.2024

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है मुझ सूचनाकर्ता/प्रार्थी का पुत्र जाफर खां पिता सलीम खां (सिलावट) निवासी नरसिंहपूरा, नयागांव मंदसौर (मदारपुरा) जो कि अपने विवाह पश्चात् से लगभग 11 वर्ष से मुझ प्रार्थी व मेरे परिवार से पृथक निवास करता है तथा वह पृथक रहकर अपना व अपने परिवार का भरण पोषण करता है। मैं प्रार्थी के पुत्र जाफर खां को अपने परिवार व अपनी हर किस्म संपत्ति घर, जमीन, जायदाद से बेदखल करता हूं। जाफर खां का अब मुझ प्रार्थी/सूचनाकर्ता व मेरे परिवार या मेरे अन्य वारीसान से किसी प्रकार का कोई संबंध नहीं रहा है। यदि भविष्य में जाफर द्वारा मुझ प्रार्थी के नाम से किसी भी व्यक्ति से किसी भी प्रकार का कोई लेन देन या व्यवहार रखा जाता है या किसी व्यक्ति द्वारा जाफर से किसी भी प्रकार का कोई व्यवहार या लेन देन की जाती है तो उसके लिये जाफर व संबंधित व्यक्ति स्वयं जवाबदार रहेगे। यदि भविष्य में जाफर किसी अवैध कार्य या अवैध गतिविधियां या किसी प्रकार की कोई घटना में संलिप्त रहता है या घटना या वारदात को अंजाम देता है तो मुझ प्रार्थी/सुचनाकर्ता या मेरे परिवार का उससे किसी प्रकार का कोई लेना-देना नही रहेगा उक्त घटना व वारदात के लिये जाफर स्वयं जवाबदार होगा। सो सुचित रहे।

✻✻✻✻✻✻ सूचनाकर्ता ✻✻✻✻✻✻

सलीम खां पिता हसन खां

निवासी नरसिंहपुरा नयागांव मंदसौर म.प्र. मो.- 7000921861

✻ उठावना ✻

स्व. रामस्वरूप जी की भतीजी व स्व. भगवान दास जी की सुपुत्री, जयप्रकाश, जगदीश, दिलीप की बड़ी बहन व राजमल, राधेश्याम, जगदीश, प्रहलाद, कैलाश, जयप्रकाश, महेश, हरीश, मनोहर, सुनील, संदीप, कमल, कैलाश, के सी पंकज, संजय, राजेश, ब्रजेश, की बहन एवं सुयश, गर्वेश, तन्मय, रचित, निमित, विराट, की भुआजी सुश्री भागवन्ति देवी का स्वर्गवास दिनांक 14 अक्टूबर को हो गया हैं जिनका उठावना दिनांक 16 अक्टूबर बुधवार सुबह 11 बजे स्थान हीरा की बगीची फतेपुरिया अग्रवाल धर्मशाला महाराणाप्रताप बस स्टैंड पर रखा गया है।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻

सूरजमल गर्ग एवं समस्त गर्ग केडिया परिवार

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मंदसौर म.प्र.

E-Mail-modgmman@mp.gov.in

क्रमांक/1402/खनिज/2024 मंदसौर, दिनांक-09.10.2024

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18(1-क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के लिए

//// प्रथम सूचना ////

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक आशीष गुप्ता पिता अनिलकुमार गुप्ता निवासी डीआरपी लाईन के सामने, मंदसौर, जिला मंदसौर द्वारा क्रेशर मशीन लगाकर गिट्टी बनाने एवं विक्रय के लिए पत्थर खनिज का उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर आनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 30.09.2024 को प्रस्तुत किया गया है। दिनांक 13.11.2024 तक इस क्षेत्र पर यथा स्थित उत्खनिपट्टा आवेदन आन लाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नं.	रकबा	भूमि का प्रकार (शासकीय/निजी)	खनिज का नाम	रिमार्क
मंदसौर	दलौदा	कटलार	752/7	2.000 है.	शासकीय	गिट्टी पत्थर एवं एम सेड़ (क्रेशर आधारित)	---

1. उपरोक्त प्रस्तुत आनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 13.11.2024 तक कार्यालयीन समय सायं 5.30 बजे तक आनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। 2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते है तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र एवं पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त आवेदन पत्र को मप्र गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा। 5. निर्धारित समयावधि के उपरान्त प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

प्रभारी अधिकारी

G-17716/24 जीवन है अनमोल, तो क्यों करे यातायात नियमों से खेल। खनिज शाखा जिला मंदसौर म.प्र.

✻ पूजारी चाहिए ✻

श्री हरिहर धाम

वेदांत विहार, लक्ष्मी नगर, अभिनंदन रोड, मंदसौर

मंदिर में विराजित दिव्य प्रतिमाओं के पूजन और आरती के लिए पूजारी की आवश्यकता है।

✻✻ संपर्क समय ✻✻

दोपहर 2 बजे से शाम 06 बजे तक

मो. 9424033322, 9425105927

राजकुमार गुप्ता, एड०होकेट

कार्यालय व निवास-207 तिरूपति नगर, होटल सम्राट के सामने पानी की टंकी के पास स्टेशन रोड, मंदसौर (मप्र)-458001 Mobile No-98260-58658 E-Mail-rkguptamds@gmail.com

क्रमांक 70/2024 दिनांक 15.10.2024

✻✻✻ जाहिर सूचना ✻✻✻

सर्व साधारण को इस जाहिर सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा ईश्वरलाल पिता देवीलाल, जाति-मोधिया, निवासी-मिण्डलाखेडा, तहसील-मल्हारगढ़, जिला-मन्दसौर से आवासीय भूखंड जो भूमि सर्वे सर्वेक्षण संख्यांक 243(बी) पर दर्ज होकर जिसका भूखंड संख्यांक 244 (पी) होकर पटवारी हल्का नं. 00103, ग्राम-मिण्डलाखेडा, तहसील-मल्हारगढ़, जिला-मन्दसौर उनके हक और हिस्से का स्वत्व त्याग विधिवत रजिस्टर्ड, स्वत्व त्याग विलेख ई-पंजीकरण क्रं. MP249402024A11229976, दिनांक 14.10.2024 से मेरे पक्षकार मायाबाई पति ईश्वरलाल, जाति-मोधिया, निवासी-मिण्डलाखेडा, तहसील-मल्हारगढ़, जिला-मन्दसौर के पक्ष में उप पंजी कार्यालय मल्हारगढ़ में करवाया गया है। उक्त मकान की चतुर्सीमा व पैमाईश निम्नानुसार है:- पूर्व में-स्वयं की भूमि, पश्चिम में-रास्ता, उत्तर में-स्वयं की भूमि, दक्षिण में-विजेश राजाराम का मकान, पैमाईश रकबा- 82 वर्ग मीटर।

उक्त सम्पत्ति पर मेरे पक्षकार द्वारा INDIAN SHELTER FINANCE, CORPORATION LIMITED, Branch "Mandsaur से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया हैं, यदि किसी भी व्यक्ति, सस्था, बैंक आदि का भार बोझ आदि उक्त सम्पत्ति पर हो तो इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 07 दिवस के अन्दर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के आपत्ति प्रस्तुत करें, वरना बाद गुजरने, मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी जो सूचित हो।

भवदीय

राजकुमार गुप्ता, एडवोकेट मन्दसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356

समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in